सुलगते रहे कई बड़े ट्रांसफार्मर

आग पर काबू पाने के बाद भी कई बड़े ट्रांसफार्मर 25 घंटे बाद भी सुलगते रहे। इन सुलगते ट्रांसफार्मरों पर 3-4 बार दमकल गाड़ियों से बौछारे की गई हैं, लेकिन इसके बाद भी ट्रांसफार्मर सुलग रहे हैं। दमकल कर्मी दोपहर बाद भी इस सुलगते ट्रांसफार्मरों को पानी की बौछारों से बुझाने का प्रयास करते रहे।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

शेष रह गए अवशेष...

दूसरे दिन भी दहकता रहा बिजली का गोदाम, प्रत्यक्षदर्शी ने कहा- चिंगारी के बाद वायर टूटकर गिरा फिर लगी आग

फोटो : भूपेश जांगड़े/ किशन लोखंडे

रायपुर के गुढ़ियारी बिजली सब स्टेशन के गोदाम में शुक्रवार दोपहर लगी भीषण आग दूसरे दिन भी दहकती रही। इस आग को बुझाने के लिए राज्य के कई जिलों से दमकल विभाग की टीम को बुलाया गया, जो रातभर कड़ी मशक्कत करते हुए करीब 32 हजार लीटर पानी की बौछारें कर आग पर काबू पाया, लेकिन इसके बाद भी कई बड़े टांसफार्मर में आग सुलगते रही, जिस पर काबू पाने का काम दूसरे दिन दोपहर तक चलता रहा। इधर भीषण आग कैसे लगी इसकी जांच और आगजनी से कितना नुकसान हुआ है इसका आंकलन अभी तक नहीं किया गया है।

32 हजार लीटर पानी की बौछारें फिर पाया आग पर काबू

- आग ने किया सबकुछ तबाह- करोड़ों के ट्रांसफार्मर, बिजली उपकरण, दफ्तर, चबुतरा शेड, पेड़ सब जल गए
- कृष्णानगर के 40 से अधिक घरों तक पहुंची आग की तेज लपटों की चिंगारी एवं तपिश
- जला दी पानी की टंकी, प्लास्टिक के पाइप हुए क्षतिग्रस्त, खिड़कियों के कांच टूटे, कपड़े भी जले
- दूसरे दिन भी दिनभर घटना स्थल पर जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, बिजली विभाग के अधिकारियों का दल
- 25 घंटे बाद भी कई बड़े ट्रांसफार्मर सुलगते रहे 45 से ज्यादा दमकल

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

आगजनी के दूसरे दिन भी घटना स्थल पर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम सहित पूरा अमला मौजूद रहा जो आग बुझाने से लेकर अन्य व्यवस्थाओं में लगे रहे। हरिभूमि की टीम भी इस पूरे हादसे की पड़ताल करने मौके पर पहुंची। इस दौरान एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि आग गोदाम के एक किनारे के ऊपर से गुजरी बिजली वायर में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। इस वायर में पहले काफी देर तक चिंगारी उठते रही। इसके बाद वायर टूटकर ट्रांसफार्मरों पर जा गिरी, जिसके बाद आग लग गई। उसने यह भी बताया कि आग इतनी ▶▶| शेष पेज 7 पर

पुलिस जांच कर रही

ट्रांसफार्मर यार्ड में आग कैसे लगी इस बात की बिजली विभाग, फायर ब्रिगेड के अलावा पुलिस अपने एंगल से जांच कर रही है। एसएसपी संतोष सिंह के मुताबिक घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करने बिजली विभाग से डीवीआर मंगाया गया है। इसके साथ ही आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की पुलिस टीम जांच कर रही है। जांच कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद पुलिस सुरक्षा बिंदु की अलग से जांच करेगी।

घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय टीम गठित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रिक कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक पीके कश्यप ने इस घटना की जांच के लिए उच्च स्तरीय टीम गठित की है। इस टीम में कार्यपालक निदेशक भीमसिंह कंवर, कार्यपालक निदेशक संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार, अतिमहाप्रबंधक वित्त गोपाल मूर्ति, मुख्य सुरक्षा अधिकारी ए.श्रीनिवास राव एवं अधीक्षण ▶▶| शेष पेज 7 पर

प्रशासन ने मुआवजा के रुप में दिए 9–9 हजार प्रभावितों ने कहा– नुकसान ज्यादा का हुआ

गोदाम में आगजनी की घटना के दूसरे दिन ही जिला प्रशासन ने प्रभावित घरों के परिवारों को 9-9 हजार रुपए आर्थिक सहायता राशि के रूप में दी है। इस राशि के अलावा जिस-जिस घर की पानी टंकी और पाईप कनेक्शन को नुकसान पहुंचा है। उन घरों में नई पानी टंकी व पाईप कनेक्शन फ्री में लगाया गया है। इधर प्रभावितों में कपिल शर्मा, सदानंद सिंह, नूतन साहू, अमृत मिस्त्री आदि का कहना है कि नुकसान 40-50 हजार का हुआ है, जबकि मुआवजा सिर्फ 9-9 हजार रुपए दिए गए है। उन्होंने यह भी बताया कि इस कालोनी को ▶▶| शेष पेज 7 पर

फैक्ट फाइल

प्रशासनिक सक्रियता का असर, जनहानि नहीं

इतनी बड़ी आगजनी की घटना होने के बाद भी सुखद यह है कि इस घटना में कोई भी जन हानि या कोई घायल नहीं हुआ है। आगजनी की घटना के तत्काल बाद प्रशासनिक अमला सक्रिय हुआ था। ऊर्जा विभाग के चेयरमैन पी. दयानंद ने कमान संभालते हुए आग पर तत्काल काबू पाने की व्यवस्था कराई। इधर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से लेकर कलेक्टर गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह और निगम कमिश्नर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पहुंचकर आगजनी की जानकारी लेकर लोगों की सुरक्षा से लेकर अन्य इंतजाम कराने की व्यवस्था तत्काल कराई गई। इतनी भीषण आगजनी के बाद कोई घायल नहीं हुआ। जिनके घरों को नुकसान हुआ उन्हें तत्काल मुआवजा भी दिया गया।

'मितरों, भ्रष्टाचारियों के ख़िलाफ़ एक्शन लूंगा'
एक-एक को जुमला पार्टी में भर लूंगा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जनहित में जारी.

DEALER | RAIPUR :Friends Electronics 7771029557 • **RAJIM** :Shailesh Electronics 9302416494 • **ABHANPUR**: Bhairunath Electronics 9893701415 • **AARANG**: Deeksha Electronics 9977258421 • **MANDIRHASAUD** : Ravindra Electronics 9329467124 • **BHILAI-3** : Parakh Brothers 8319216002 • **DONGARGARH** :Bindal Electronics 7697978787,9697978787, Kesarwani Marketing 9425569228 • **DONGARGAON** : Chamma Electronics 9993399266 • **SARAIPALLI** :Shree Electricals & Electronics 9691847410 • **GARIYABAND** :Raza Traders 9981048601 • **PAKHANJORE**:Rajesh Electronics 6266221051 • **BANDE**: Sukendra Radio 9425599637 • **SIMGA** :Arun Electronics 8889866868 • **BEMETARA**: Suresh TV and Enterprises 9981738385 • **BALODABAZAR** :Kiran Furnitures & Electronics 9826145234, 9039736400 • SHEORINARAYAN : Kesarwani Enterprises 9406085396 • **BANDHABAZAAR** : Thakkar Electronics 7999446799 • **PANDATARAI** : Shivam Mobile 9893424318 • **CHHURIYA** : Arihant Enterprises 9424238072 • **MAHASAMUND** : Kishore Radio 9302713300, Ashirvad Mobile 8959582001 • **BEMETARA** : J.S. Furniture 9993785719 • **KESHKAL** : Muskan Metal and Gift Corner 9893193992 • **NARAYANPUR** : Sidharth Electronics 7587809000 • **BHANUPRATAPPUR** : Radio Corner 9424123811 • **BIJAPUR** : Sanjay Trading Company 9425226664 • **GANDAI** : Uttam Enterprises 9993250248 • **SUKMA** : Arihant Markating 7587883211, New Maheshwari Electronics 9406468000 • **KORAR** : Jagdamba Electronics 6260120137 • **DHAMTARI** : National Electronics 9770641677,Shree Electronics 9827113968 • **CHUIKHADAN** : SONY ELECTRONIC 8120872391, Dewangan Electronics 9399684041 • **SARIYA** : Munna ELECTRONICS 9752903139 • **JALBANDHA** : Om Electronics 9669056131 • **BEMETARA** : Arora Radio 9993785719 , 9425561359 • **BHATAPARA** : Prakash Modi & Company 9826119411 • **BERLA** : Vandana Electronic 7694069502 • **AHIWARA** : Mamta TV 7000767957 • **DHAMTARI** :Chitra Palace 91 86548 06336 • **RAJIM** :Maa Kara Electronics 98265 08703, Himalaya Electronics 98266 42526 • **PATAN** :Shubham Enterprises 99775 59869 • **RANITARAI** : Anil Enterprise 99932 41891, 79990 76186, Neha Electronics 9752024691 • **BARAMKELA** : Shardha Electronics 9669940509

रायपुर, रविवार 7 अप्रैल 2024 | चैत्र कृष्ण पक्ष त्रयोदशी | वर्ष : 22, अंक : 259 | पृष्ठ : 12+6+4 = 22 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

ज्योतिष सम्मेलन में पांच बड़ी भविष्यवाणियां

डॉ. नीना

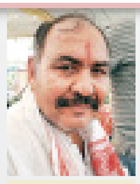
डॉ. देवेन्द्र पांडेय

ओम नारायण तिवारी

अब की बार... नहीं 400 पार पर बन जाएगी भाजपा सरकार

अमलेश्वर में आयोजित विराट सम्मेलन में ज्योतिषाचार्यों ने हरिभूमि के सवालों के दिए जवाब

लवकुश शुक्ला ▶▶| रायपुर

अमलेश्वर स्थित श्री महाकाल धाम में आयोजित विराट ज्योतिष सम्मेलन में प्रदेशभर के ज्योतिषाचार्यों ने शनिवार को शिरकत की। हरिभूमि ने ज्योतिषियों से पांच प्रमुख भविष्यवाणियां पूछीं। पांचों ने बताया पीएम नरेंद्र मोदी छाए ▶▶|शेष पेज 7 पर

2028 तक छाए रहेंगे मोदी

नरेन्द्र मोदी

पीएम नरेन्द्र मोदी की राशि में मंगल की महादशा प्रभावी है। इसके प्रभाव से विश्व पटल पर वे 2028 तक छाए रहेंगे। साथ ही देश का मान-सम्मान और गौरव भी बढ़ेगा। केन्द्र व राज्य की सरकारे जनहित में कई बड़े काम करेंगी।

विष्णु साबित होंगे दूसरे योगी

विष्णुदेव साय

ज्योतिषाचार्य डॉ. देवेन्द्र पांडेय की मानें तो यह वर्ष मेष, वृषभ और मिथून राशि के जातकों के लिए सर्वश्रेष्ठ है। वृषभ राशि के जातक सीएम विष्णु देव साय का कद लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगा। वे छग के लिए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तरह ही जनहित में मुखर होकर बात ही नहीं, काम भी करेंगे।

जारी रहेगा संघर्ष

सोनिया व राहुल

वास्तुविद व टैरो कार्ड रीडिंग करते हुए डॉ. नीना ने सवाल के जवाब में कार्ड निकाले, इसमें राहुल के नाम से यंग चैप निकला। वहीं सोनिया को टेन एंड पेंटा कार्ड मिला। इसे देखने के बाद उन्होंने बताया कि सत्ता में आने के लिए अभी इन्हें संघर्ष करना पड़ेगा।

दिल्ली में आप का जलवा

अरविंद केजरीवाल

इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर मोदी सन गार्ड मिला। इसके आधार पर डॉ. नीना ने कहा कि मोदी अभी किंग की तरह दुनियाभर में छाए रहेंगे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी का वर्चस्व कायम रहेगा। पर्यावरण के लिहाज से मौसम की मार देश ही नहीं, बल्कि प्रदेश में भी अपेक्षा से ज्यादा प्रभाव भी छोड़ेगा।

325 सीट से ज्यादा नहीं

सूर्य ग्रहण का प्रभाव और 4 जून को आ रहा रिजल्ट छलावा साबित होगा। पाटी 325 से ज्यादा सीट नहीं जीतेगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. देवेन्द्र पांडेय का दावा है कि केंद्र में भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी लेकिन अबकी बार 400 पार का नारा सही साबित नहीं होगा। चुनाव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव बेहद रहने वाला है।

गर्मी शुरू होने के साथ ही लोको पायलट की तबीयत अब बिगड़ने लगी है। रेलवे ने 2013 में इंजनों में एसी लगाने रेल बजट में घोषणा की थी, जिसे अभी तक पूरा नहीं किया है। डब्ल्यूएजी- 9 मॉडल की इंजनों में एसी नहीं लगाने से लोको पायलट को तेज गर्मी के बीच 45 से 48 डिग्री में ट्रेन चलाना पड़ रहा है।

बाहर टेम्परेचर 41 डिग्री

रेल इंजन के भीतर हरिभूमि की जांच में निकला 48 डिग्री, बोगी में 43

केस 1 *रायगढ़ से महाराष्ट्र जा रही मालगाड़ी का दोपहर 2 बजे इंजन का तापमान 48 डिग्री दर्ज किया गया। लोको पायलट ने बताया कि यह शुरुआत है। मई तक यह 50 से 60 तक पहुंच जाएगा।*

केस 2 *दोपहर 2: 35 को रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस का इंजन 42 डिग्री मिला, जो स्टेशन के तापमान से 8 डिग्री अधिक था। लोको पायलट ने बताया कि अब गर्मी में 5 लीटर रोज पानी पीते हैं, ताकि सेहत खराब न हो।*

केस 3 *दोपहर तीन बजे ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल कोच का तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं खाली कोच का तापमान 41 तक रहा। गर्मी और भीड़ के कारण कोच में तापमान शाम 6 बजे तक बना रहा है।*

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

तेज गर्मी काम करने से रक्तचाप, हाइपरटेंशन जैसी अन्य बीमारी भी होने लगी है। बाहर के तापमान से इंजन का पारा बाहर से 5 से 10 डिग्री अधिक हो गया है। हरिभूमि ने शनिवार को रेलवे स्टेशन से लेकर जनरल कोच और इंजन में पारा रिकॉर्ड किया, तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। जनरल कोचों में जहां भारी उमस, भीड़ और गर्मी की वजह से तापमान 43 से 45 डिग्री रिकॉर्ड किया ▶▶|शेष पेज 7 पर

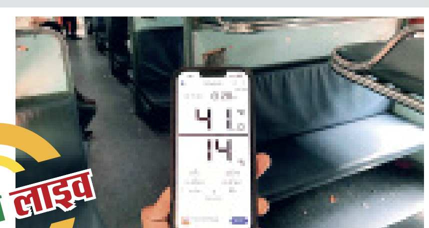

पुराने इंजनों में एसी नहीं

रेलवे ने इंजनों में एसी लगाने की घोषणा की थी। पुराने इंजनों को मॉडिफाई कर एसी लगाना था, लेकिन अभी तक नहीं लगा है। गर्मी में इंजन का तापमान बाहर से 10 डिग्री तक अधिक होता है। - जय शंकर, सचिव, लोको पायलट संघ

120 की रफ्तार में आग के सामान गर्म हवा

शहर में शनिवार को दोपहर 12 से 3 बजे तक गर्मी 40.6 रही। इसी तापमान में हरिभूमि ने इंजन, गार्ड केबिन और कोचों का तापमान जांच किया। एक्सप्रेस ट्रेन का तापमान 48 डिग्री दर्ज किया गया जो, सामान्य की तुलना 8 डिग्री अधिक था। लोको पायलट ने बताया, गर्मी बढ़ने से इंजन का तापमान 60 डिग्री तक पहुंच जाता है। वर्तमान में दोपहर से शाम तक ▶▶|शेष पेज 7 पर

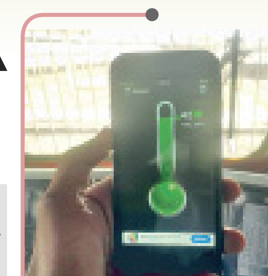

सात लीटर पानी पीने के बाद भी नहीं बुझ रही प्यास, बगैर पंखा और एसी 9 घंटे चला रहे रेल

रेलवे ने 2013 में लोको इंजन में एसी लगाने की घोषणा की थी, तब से जारी है मांग

कांग्रेस ने घोटाले तो किए ही ईमान भी खा गए: डॉ. मोहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

राजनांदगांव लोकसभा के लिए चुनावी शंखनाद हो गया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरदार पटेल मैदान में लोकसभा प्रत्याशी संतोष पाण्डेय के पक्ष में सभा को संबोधित किया। डा. मोहन यादव ने कहा कि 15 वर्षों तक पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ को संवारने का काम किया पर कांग्रेस ने सब खराब कर दिया। कांग्रेस ने कोयला, रेत, गोबर, चावल का घोटाला तो ▶▶|शेष पेज 7 पर

- **मुख्यमंत्री साय ने कहा-भूपेश को ऐसे हराना है कि राजनांदगांव की तरफ देखें भी न**

भूपेश को ऐसे हराना है कि राजनांदगांव की तरफ देख भी न सके

श्री साय ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 5 साल के शासनकाल में कवर्धा को अशांत कर दिया था। यहां के तत्कालीन विधायक मोहम्मद अकबर की शह पर सनातनियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया, हिन्दू ध्वज का अपमान किया गया। भुनेश्वर साहू की हत्या हुई। पिछले 5 वर्षों में कवर्धा ने क्या-क्या नहीं देखा, लेकिन कवर्धा की जनता ने भी बता दिया कि जीत हमेशा सत्य की होती है, सनातन की होती है। यहां से कांग्रेस को उखाड़ फेंका और अब भूपेश बघेल को भी ऐसे हराना है, ▶▶|शेष पेज 7 पर

नवजात की तस्करी, एक बच्चे की कीमत पांच लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई ने नवजात बच्चों की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले दिल्ली में कई अस्पतालों पर छापेमारी की गई और तीन नवजात बच्चों को बचाया। इन बच्चों को दिल्ली के केशवपुरम इलाके से बचाया गया है। फिलहाल सीबीआई इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में बच्चे चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, सात आरोपी धरे गए

- **सीबीआई ने की बड़ी कार्रवाई, दो शिशुओं को बचाया गया**

ऐसे होती थी बच्चों की खरीदी-बिक्री

गिरोह के लोग वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ 'सरोगेट' माताओं से भी बच्चे खरीदते थे। उसके बाद शिशुओं को चार से छह लाख रुपए प्रति बच्चे की कीमत पर बेचते थे। नकद और अन्य दस्तावेज जब्त किए।

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

बेंगलोर 183/3 Vs राजस्थान 189/4

6 विकेट से जीता रॉयल्स

100* रन, जोस बटलर
प्लेयर ऑफ द मैच

आज का मैच

मुंबई Vs दिल्ली
समय : दोपहर 3.30 बजे

लखनऊ Vs गुजरात
समय : शाम 7.30 बजे

विराट कोहली ने जड़ा सत्र का पहला शतक

जयपुर। महान बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2024 का पहला शतक ठोक डाला है। शनिवार को कोहली ने कॅरियर का आठवां शतक जमाया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कोहली 72 गेंदों में 113 रन बनाकर नाबाद रहे। कोहली के बल्ले से आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे धीमा शतक निकला है। विराट ने अपनी संेचुरी पूरी करने के लिए 67 गेंदों का सामना किया। मनीष पांडे ने 2009 यानी आज से 15 साल पहले इतनी गेंदों का सामना करते हुए संेचुरी ठोकी थी।

नड्डा, पांच अन्य ने रास की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में निर्वाचित भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और पांच अन्य नेताओं ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सभी को शपथ दिलाई। धनखड़ के कार्यालय ने शपथ-ग्रहण की तस्वीरें साझा की।

राजीव की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर में जीती थी कांग्रेस

साहू-कुर्मी मतदाता बाहुल्य है दुर्ग लोकसभा क्षेत्र

विमलशंकर झा ▶▶ भिलाई

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र की खासियत यहां स्थित एशिया के सबसे बड़े एकीकृत सार्वजनिक उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र के कारण औद्योगिक विकास के साथ राजनीतिक जागरुकता की भी रही है। बावजूद इसके यह सीट भी प्रदेश के बहुतेरे क्षेत्रों की तरह जातीय समीकरण से अछूती नहीं है। सियासी दृष्टि से कुर्मी जातीय बहुल इस संसदीय क्षेत्र से पहली बार साहू प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारने का श्रेय भाजपा को जाता है, जिसके बाद ही इस जाति के लोगों में राजनीतिक जागरुकता आई और लोकसभा के साथ विधानसभाओं में साहू जाति के उम्मीवार बनाए जाने का सिलसिला चल पड़ा।

देश को दो तीन केंद्रीय मंत्री और दो मुख्यमंत्री देने वाले दुर्ग संसदीय क्षेत्र में शुरु से कुर्मी और साहू जाति के लोगों की बहुलता रही है। इन दोनों जाति के लोगों की संख्या पांच लाख से ऊपर है। यही वजह है कि आज यहां कुर्मी और साहू समाज के लोगों का प्रतिनिधित्व सबसे ज्यादा है। लेकिन तीन दशक पहले इस संसदीय क्षेत्र में कुर्मी समाज के लोगों का ही वर्चस्व था। राजनीति में साहुओं को मुख्यधारा में लाने का किस्सा दिलचस्प तो है ही, रणनीतिकारों के चुनाव जीतने की राजनीतिक चातुर्य का भी प्रतीक है। राजनीतिक पंडितों के मुताबिक दुर्ग जिला में 1971 से 95 तक कुर्मी जाति के लोगों का ही वर्चस्व था। चाणक्य के नाम से प्रसिद्ध वासुदेव चंद्राकर 25 साल तक रिकार्ड जिला कांग्रेस दुर्ग के अध्यक्ष रहे। चंदूलाल चंद्राकर 1977 में सांसद मोहन भैया को छोड़कर 71 से 96 तक लगातार सांसद थे, फिर पुरुषोत्तम कौशिक भी सांसद रहे। 1991 के लोकसभा चुनाव के समय लक्ष्मण चंद्राकर साडाध्यक्ष थे, प्रतिमा चंद्राकर को जिला पंचायत अध्यक्ष

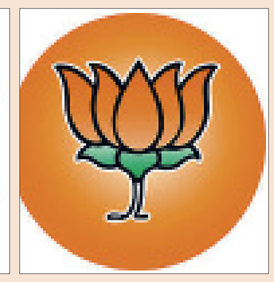

बनाने कांग्रेस की तैयारी थी। भाजपा की रणनीति थी कि यदि कांग्रेस वासुदेव चंद्राकर की पत्नी बोधनी बाई को विधानसभा लड़ाएगी तो भाजपा डॉ साहू की बहू को उनके खिलाफ प्रत्याशी बनाएंगे। 1991 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने यह बड़ी चिंता थी कि 4 बार के सांसद चंदूलाल चंद्राकर की लोकप्रियता वाले कांग्रेस के इस अभेद्य गढ़ को कैसे ढहाया जाए। प्रत्याशी के सवाल से जूझ रहे शीर्ष नेतृत्व को तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय ने सुझाया कि दुर्ग को फतह करने क्यों ने कांग्रेस को उसी के जाति कार्ड से मात दिया जाए । यानी कुर्मी बहुल दुर्ग सीट से दूसरे नंबर के साहू जाति के उम्मीदवार को प्रत्याशी बनाया जाए। उन्होंने प्रदेश भाजपाध्यक्ष लखीराम अग्रवाल, गोविंद सारंग और कुशाभाउ ठाकरे के मार्फत शीर्ष नेतृत्व को दुर्ग से बीएसपी के मैनेजर और लिटररी क्लब के अध्यक्ष डॉ. मनराखन लाल साहू का नाम सुझाया।

कांग्रेस प्रत्याशी चंदूलाल चंद्राकर की तरह डॉ. साहू की छवि भी साफ सुधरी थी और कुर्मियों की तरह साहू जाति के लोगों की भी संख्या पांच लाख से ऊपर थी। डॉ. साहू के नाम पर मुहर लगने के बाद अविभाजित मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार होने के चलते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व भाजपा में टक्कर की स्थिति बन रही थी, लेकिन ऐन मतदान के वक्त देश में हुए बड़े हादसे ने दुर्ग में भाजपा जीतते जीतते हार गई।

राजीव गांधी की हत्या से पलटी बाजी

91 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा की सरकार होने से दुर्ग सीट पर भी यहां पार्टी के रणनीतिकार नेताओं को 77 जैसा अपने पक्ष में माहौल लग रहा था। राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी सहित कई दिग्गज राष्ट्रीय नेताओं की उपस्थिति में अग्रसेन भवन भिलाई में हुए भाजयुमो के राष्ट्रीय सम्मेलन की अगुवाई करते हुए मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, प्रेमप्रकाश पांडेय, लीलाराम भोजवानी सम्मेलन के साथ धुआंधार चुनाव की कमान संभाले हुए थे। आला नेताओं को पुरजोर जीत का भरोसा भी दिला रहे थे, लेकिन अचानक मतदान के 2 दिन पहले 21 मई को पैरांबूर आंध्र में चुनावी सभा में हालिया पीएम पद से निवृत हुए राजीव गांधी की हुई हत्या से मतदान स्थगित कर दिया गया। पखवाड़ेभर बाद जब अगले चरण का यहां मतदान हुआ तो सहानुभूति लहर में कांग्रेस प्रत्याशी चंदूलाल चंद्राकर फिर से जीते, जो 96 तक सांसद रहे। चुनाव के कुछ दिनों बाद डॉ.साहू चल बसे थे।

जिले में साहू प्रतिनिधित्व का सिलसिला शुरु : 91 के संसदीय चुनाव में भाजपा नेता प्रेमप्रकाश पांडेय द्वारा दुर्ग से पहली बार डॉ.मनराखन लाल साहू का बतौर प्रत्याशी नाम सुझाए जाने के बाद साहू जाति के लोगों में सियासत में भागीदारी को लेकर जागरुकता बढ़ी। 1996 में सांसद चंदूलाल चंद्राकर के आकस्मिक निधन के बाद हुए चुनाव में भी भाजपा ने डॉ.साहू की तरह प्रदेश भाजपाध्यक्ष ताराचंद साहू को अपना प्रत्याशी बनाया, जो 2004 तक सांसद रहे। ताराचंद के बागी होकर अपनी पार्टी छग स्वाभिमान मंच से लड़ने के बाद 09 में भाजपा से सरोज पांडेय के जीतने के बाद 2014 में कांग्रेस ने भी साहू जाति के यानी ताम्रध्वज साहू को अपना प्रत्याशी बनाया जो 2019 तक सांसद रहे। अभी 2024 के चुनाव में भी कांग्रेस ने राजेंद्र साहू को प्रत्याशी बनाया है। 91 में डॉ.साहू के बाद दुर्ग संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से भी घनाराम साहू, दयाराम साहू, वीरेंद्र साहू, रमशीला साहू विधायक रहे। अभी साजा से भी साहू विधायक हैं। यानी साहुओं को टिकट देने का सिलसिला 91 के बाद ही शुरु हुआ।

आमने/सामने

चोरों के साथ काम करने में परेशानी-चंद्रशेखर

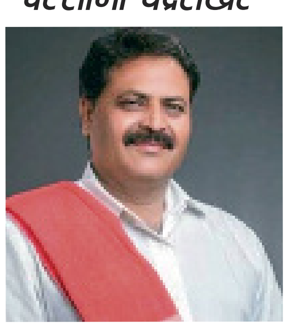

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला ने भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गोबर चोर कहा। उन्होंने कहा, चोरों के साथ काम करने में परेशानी हो रही थी, इसलिए मोदी परिवार में शामिल हुआ हूं।

नीयत के खोटे हैं चंद्रशेखर शुक्ला- सुशील

उनके बयान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने पलटवार करते हुए चंद्रशेखर शुक्ला को नीयत खोटा करार दिया है। उन्होंने कहा, 5 सालों तक भूपेश बघेल की शान में कसीदे पढ़ते थे। दल बदलते ही अनर्गल बयान दे रहे हैं। अपने स्वार्थ के चलते भाजपा ज्वाइन किया है। प्रदेश की जनता उनको जवाब देगी।

शांतिपूर्ण चुनाव कराने कवायद

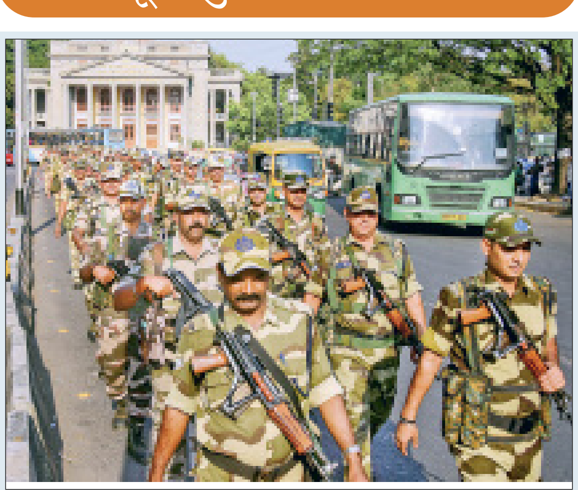

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने प्रशासनिक मशीनरी के साथ ही सैन्य जवान भी लगे हुए हैं। सीआईएसएफ के जवानों ने बेंगलुरु की मुख्य सड़कों से लेकर गली-कूचों तक में गश्त करते हुए हालात का जायजा लिया।

अलीगढ़ में गरजे योगी, बोले- खतरा बनने वालों का कर देते हैं राम नाम सत्य

एजेंसी ▶▶ अलीगढ़

लोकसभा चुनाव का प्रचार जोरों पर हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता अलग-अलग स्थानों पर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश खे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए बयान दिया।

उन्होंने कहा कि देखो हम राम को लाते ही नहीं है। बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए जो खतरा बनता है, उसका राम नाम सत्य भी कर देते हैं। इस रैली में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का विकास तभी संभव है जब उत्तर प्रदेश का विकास हो और साथ में अलीगढ़ का विकास हो। हम नए भारत को देख रहे हैं, जिसका सम्मान दुनियाभर में हैं। जिसकी सीमाएं सुरक्षित हैं।

आतकंवाद, नक्सवाद समाप्त हुआ है, ऐसा भारत देख रहे हैं।

अलीगढ़ में गरजे सीएम योगी

सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहील बार है जब चुनाव चल रहे हैं और लोगों को कयास लगाने की जरूरत नहीं है। लोगों में पहले से तय है कि तीसरी बार फिर मोदी सरकार। पूरे देश में यही आवाज है। चाहे अलीगढ़ हो या सहारनपुर या बागपत। ये आवाज वैसे ही नहीं है।

दंगा मुक्त हुआ उत्तर प्रदेश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले लोग सोचते थे कि उत्तर प्रदेश शायद ही कभी दंगा मुक्त होगा। आज उत्तर प्रदेश दंगामुक्त हुआ है। कर्फ्यू से मुक्त हुआ है और कांवड़ यात्रा भी धूम-धाम से निकल रही है। उपद्रव के लिए जाना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज उत्सव प्रदेश बन गया है। कहीं रामोत्सव तो कहीं रंग उत्सव और कहीं कृष्ण उत्सव ये सब उत्तर प्रदेश की पहचान बन गई है। बता दें कि बीते दिनों सीएम योगी मुजफ्फरनगर में थे।

डीएमके व एडीएमके के चुनावी संग्राम में तीसरी ताकत के रूप में राजग की तैयारी

तमिलनाडु : भाजपा के लिए आसान नहीं द्रविड़ सियासत के चक्रव्यूह को भेदना

ओ.पी. पाल ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु राजनीति के इतिहास पर नजर डाली जाए, तो इस लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु की राजनीति में इस समय द्रविड़ दलों यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एडीएमके) को अक्सर एक राजनीतिक महाशक्ति के रूप में देखा जाता है। ये दोनों प्रमुख दल ही पिछले दशकों से राज्य पर शासन करते आ रहे हैं। इसलिए भी यहां अभी तक भाजपा की दाल नहीं गल पाई। इसके पीछे का कारण साफ है कि भाजपा की राजनीतिक विचारधारा हिंदुत्व है, लेकिन तमिलनाडु में हिंदुत्व नहीं, बल्कि द्रविड़ राजनीति का बोलबाला है। द्रविड़ संस्कृति में यहां की मूल भाषा के सामने हिंदी भाषा का भी बड़ा विरोध भी बड़ी वजह है।

शायद यही कारण रहा कि डीएमके के नेताओं द्वारा पिछले दिनों सनातन यानी हिंदू धर्म विरोधी टिप्पणियों को हवा दी गई। हालांकि ऐसे बयानों ने विपक्षी गठबंधन इंडिया का संकट भी बढ़ा है, लेकिन अतीत में ब्राह्मण राजनीति के वर्चस्व को पछाड़कर द्रविड़ आंदोलन से बदली द्रविड़ वर्चस्व के ईर्दगिर्द घूमती सियासत के दबदबे को कायम रखने के मकसद से डीएमके और एडीएमके अपनी सियासी जमीन को मजबूत बनाने में जुटे हैं, जिन्हें इंडिया गठबंधन में तमिलनाडु की राजनीति के हिसाब से तव्व्जो दी जा रही है। ऐसे सियासत के बुने जाल को भाजपा का चक्रव्यूह तोड़ पाएगा, इसकी संभावनाएं बहुत ही कम हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पीएम मोदी के तमिलनाडु में हुए ताबड़तोड़ दौरों में की गई विकास एवं अन्य घोषणाओं का कितना प्रभाव होगा यह अभी भविष्य के गर्भ में है।

इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 400 पार सीटों का लक्ष्य तय किया है, जिसमें भाजपा ने दक्षिणी राज्यों खासकर द्रविड़ सियासत के प्रभाव वाले तमिलनाडु अलग रणनीति तैयार की है, क्योंकि पिछले दो लोकसकभा चुनाव में भाजपा का विजय रथ तमिलनाडु में ही आकर रुकता नजर आया है। एडीएमके से रिश्ते टूटने के बाद अब भाजपा को हालांकि पीएमके का साथ मिला है, जिसका दर्जन भर सीटों पर अच्छा प्रभाव है। लेकिन भाजपा की तमिलनाडु में चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की इस रणनीति के बावजूद द्रविड़ सियासत के इस समुद्र को पार करना एक बड़ी चुनौती साबित होगी?

ये हैं प्रमुख दल

तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके और एडीएमके जैसे प्रमुख दलों के अलावा डा. रामदास अंबुमणी की पीएमके, के. कृष्णा सामी की पुथिया तमिलागम, जीके वासन की तमिल मनीला कांग्रेस(मूपनार), भाकपा, सीपीआईएम, वीसीके, आईयूएमएल, वाइको की एमडीएमके, एसी शनमुगम की पीएनके जैसे दल चुनावी जंग में रहे हैं।

भाजपा-पीएमके 24 सीटों पर करेगी संघर्ष

भाजपा ने तमिलनाडु में 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे हैं, जबकि उसकी साझीदार डॉ. एस. रामदास अंबुमणि की पार्टी पीएमके ने दस सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इस चुनाव में डीएमके और एडीएमके के अलावा अन्य क्षेत्रीय दल भी चुनाव मैदान में हैं। राजग राज्य में द्रविड़ संस्कृति वाली सियासत के इस चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की रणनीति के साथ चुनाव मैदान में है।

इन सात सीटों पर भाजपा की नजरें

तमिमलनाडु में अपने विजय रथ की राह बनाती भाजपा की प्रमुख रुप से कन्याकुमारी और रामनाथपुरम के इर्द-गिर्द सात लोकसभा सीटों पर नजरें लगी हैं, जहां तमिलनाडु के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने पदयात्रा करके भाजपा का जनाधार मजबूत करने में जुटे हैं। इससे पहले 2019 के चुनाव में भी एआईएडीएमके ने भाजपा इनमें से ही 6 सीटें दी थी, जहां इस बार भाजपा को अपनी जीत की उम्मीद हैं।

क्या है दलगत गणित

तमिलनाडु में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 39 में से डीएमके सर्वाधिक 24 सीटें जीत आगे रहा, जबकि कांग्रेस को आठ, सीपीआई को दो, एडीएमके, वीसीके, सीपीएम तथा आईयूएमएल को एक-एक सीट मिली थी। जबकि इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में एडीएमके ने 37 तथा भाजपा व पीएमके ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की थी।

इतने मतदाता करेंगे फैसला

तमिलनाडु में लोकसभा की सात आरक्षित सीटों समेत सभी 39 सीटों पर 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव में 6,18,90,348 मतदाताओं का जाल है, जिसमें 3,14,85,724 महिला मतदाता, 3,03,96,330 पुरुष मतदाता के अलावा 8,294 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। जबकि प्रदेश में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 4,48,138 है। इन मतदाताओं में 3,310 एनआरअई मतदाता भी पंजीकृत हैं।इस बार 18 और 19 आयु वर्ग के 9.18 लाख मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। जबकि 20 से 29 आयु वर्ग के 1.08 करोड़ मतदाता हैं। राज्य में सबसे अधिक 1.37 करोड़ मतदाताओं की संख्या 40 से 49 आयु वर्ग के बीच है। जबकि तमिलनाडु में बुजुर्ग यानी 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या भी 12.5 लाख से अधिक है। जबकि साल 2023 में राज्य में मतदाताओं की संख्या 6,20,41,179 थी, जिसकी तुलना में लोकसभा चुनाव में दो लाख से अधिक मतदाताओं में कमी दर्ज की गई है, हालांकि ट्रांसजेंडर 8,027 से बढ़कर 8,294 हो गये है।

- अंदरूनी इलाकों में नहीं पहुंच पा रहे प्रत्याशी और पदाधिकारी

बस्तर में खौफ, प्रचार करने के लिए नेताओं का इंकार!

राजेश दास ▶▶ जगदलपुर

लोकसभा चुनाव के लिए प्रथम चरण का मतदान बस्तर में 19 अप्रैल को होना है। मतदान के लिए कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन नेताओं में दहशत का आलम यह है कि प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी अभी तक नक्सल प्रभावित अंदरूनी क्षेत्रों व संवेदनशील ब्लॉक मुख्यालयों तक नहीं पहुंच सके हैं। वहीं अधिकांश नेताओं का यह कहना है कि जिस तरह से लगातार मुठभेड़ हो रही है और नक्सली मारे जा रहे हैं। इसे देखते हुए संवेदनशील इलाकों में प्रत्याशी व जिला स्तर के पदाधिकारियों का जाना संभव नहीं है। ऐसे इलाकों में मतदाताओं को प्रभावित करने लोकल कार्यकर्ताओं पर पूरा दारोमदार रहेगा। अधिकांश पार्टी नेताओं का कहना है कि माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की वजह से उनके पार्टी कार्यकर्ता दबाव में हैं, जिसका सीधा असर लोकसभा चुनाव में दिखेगा। हालात यह है कि नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर, दंतेवाड़ा व सुकमा के कई ऐसे इलाके है, जहां प्रत्याशी तो दूर पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता तक नहीं पहुंच सके है और आगे भी इनके इन इलाकों में पहुंचने की संभावना नजर नहीं आ रही है।

सावधानी से चुनाव के लिए प्रचार कर रहे

सर्वाधिक नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के भाजपा अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार का कहना है कि पूरी सावधानी से चुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं। बीजेपी प्रत्याशी महेश कश्यप जिले के भैरमगढ़ व बीजापुर मुख्यालय का दौरा कर चुके हैं, लेकिन अभी भी उसूर व भोपालपटनम ब्लाक मुख्यालय तक भी नहीं पहुंच सके है। आने वाले दिनों में फोर्स का अच्छे से इन इलाकों में मुवमेंट होने के बाद इन इलाकों में हेलीकॉप्टर से जाने कार्यक्रम बनाया जा रहा है।

मीरा का नामांकन फॉर्म निरस्त, भड़के अखिलेश यादव

लखनऊ। अखिलेश यादव ने मीरा यादव का फॉर्म निरस्त होने के बाद भाजपा पर बरसते हुए कहा कि सब बहाने हैं और हार चुकी भाजपा की हताशा। जो न्यायालय के कैमरे के सामने छल कर सकते हैं वो फार्म मिलने के बाद पीठ पीछे क्या-क्या साज़िश रचते होंगे। भाजपा बात में ही नहीं काम में भी झूठी है और समस्त प्रशासनिक तंत्र को भ्रष्ट बनाने की दोषी भी। इस घटना की भी न्यायिक जाँच हो, किसी का पर्चा निरस्त करना लोकतांत्रिक अपराध है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है।

***अखिलेश यादव ने न्यायिक जाँच की मांग की :** अखिलेश यादव ने कहा खजुराहो सीट से इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त करना सरेआम लोकतंत्र की हत्या है।*

पीएम मोदी की कल कोंडागांव के छोटे आमवाल में आमसभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- दूसरे चरण के लिए एक और सभा धमतरी में भी कराने की तैयारी

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राष्ट्रीय नेताओं की लगातार सभाएं कराने की रणनीति तैयार की है। इस कड़ी में सबसे बड़ी आमसभा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोमवार को कोंडागांव के भानपुरी के गांव छोटे आमवाल में 12 बजे में होगी। इसको लेकर भाजपा लगातार तैयारी कर रही है। प्रदेश का भाजपा संगठन प्रधानमंत्री की प्रदेश में पांच सभाएं चाहता है, लेकिन पीएमओ से कितनी सभाओं को मंजूरी मिलती है, सब कुछ उस पर निर्भर है। फिलहाल तो बस्तर लोकसभा चुनाव के लिए एक सभा की मंजूरी मिली है। दूसरे चरण के चुनाव के लिए एक सभा धमतरी में भी कराने की तैयारी है। संभावना है कि इसको भी जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन का छत्तीसगढ़ पर भी बड़ा फोकस है। भाजपा ने यहां की सभी 11 की 11 सीटें जीतने की रणनीति तैयार की है। इसको लेकर प्रचार-प्रसार में भी पूरी ताकत झोंकने की रणनीति बनी है। चुनाव के लिए रणनीति बनाने का जिम्मा इस बार प्रदेश के सह प्रभारी नितिन नवीन पर है। उनको चुनाव का प्रभारी बनाया गया है, क्योंकि यहां पर प्रदेश के प्रभारी ओम माथुर का आना नहीं हो रहा है। राष्ट्रीय संगठन ने उनको दूसरी बड़ी जिम्मेदारी देकर रखी है। श्री नवीन लगातार बैठकें करके रणनीति बना रहे हैं।

1977 में भारतीय जनसंघ का अस्तित्व कर दिया गया था खत्म

1984 में 2 सीटों से 400 पार के दावे तक भाजपा का सफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी का आज स्थापना दिवस है। साल 1980 में 6 अप्रैल को ही भाजपा की स्थापना हुई थी। उस समय जो पौधा रोपा गया, तब शायद ही किसी ने यह सोचा कि कुछ सालों बाद यह इतना बड़ा पेड़ बनेगा। आज आलम ये है कि 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी 370 और एनडीए गठबंधन 400 से अधिक सीटों पर जीत का दावा कर रहा है।

जनता पार्टी की हार, आरएसएस पर तकरार, ऐसे हुआ भाजपा का जन्म

देश में 1980 के लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं में से एक जगजीवन राम ने एक चिट्ठी लिखी, जिसमें हार के लिए जनसंघ को दोषी ठहराया गया। 'बाबूजी' के नाम से जाने जाने वाले जगजीवन की इस चिट्ठी की वजह से भारतीय राजनीति में एक ऐसी पार्टी का उदय हुआ, जिसने न सिर्फ चुनाव जीता, बल्कि आगे चलकर कई कीर्तिमान बनाती जा रही है।

देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार के पीएम बने मोरारजी देसाई

1951 में जनसंघ से शुरुआत, ये रहे अध्यक्ष

यह कहानी भारतीय जनसंघ की स्थापना से शुरू होती है। महात्मा गांधी की हत्या के बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने हिंदू महासभा से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संघ के सहयोग से 21 अक्तूबर 1951 बीजेएस का गठन किया। कश्मीर की जेल में मुखर्जी की मौत हो गई। इसके बाद उपाध्यक्ष चंद्रमौली शर्मा को जनसंघ का अध्यक्ष बनाया गया। उनके बाद प्रेमचंद्र डोगरा, आचार्य डीपी घोष, पीताम्बर दास, ए रामाराव, रघु वीरा, बच्छराास व्यास ने जनसंघ की कमान संभाली। साल 1966 में बलराज मधोक और 1967 में दीनदयाल उपाध्याय अध्यक्ष बने। इनके बाद 1972 तक अटल बिहारी बाजपेयी और 1977 तक लाल कृष्ण आडवाणी अध्यक्ष पद पर रहे।

1977 में पहली बार बनी गैर कांग्रेसी सरकार

साल 1977 में भारतीय जनसंघ का अस्तित्व खत्म कर दिया गया। दरअसल, इस समय देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। ऐसे में जनता पार्टी की सरकार में शामिल होने के लिए शर्त रखी गई कि विलय करना होगा। इस तह जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ। जनता पार्टी सरकार में जनसंघ की तरफ से आडवाणी सूचना प्रसारण मंत्री बने थे। अटल बिहारी बाजपेयी विदेश मंत्री बनाए गए थे।

धीरे-धीरे आज बन गई सबसे बड़ी पार्टी

बता दें कि 2004 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 138 सीटें ही मिलीं। लाल कृष्ण आडवाणी की अगुवाई में 2009 में 116 सीटें आईं। इसके बाद 2014 में 283 सीटों के साथ प्रचंड जीत से नरेंद्र मोदी ने इतिहास रच दिया। अकेले दम पर भाजपा की सरकार बनी। इसके बाद 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने 300 से ज्यादा सीट जीतकर इतिहास रच दिया। एनडीए ने 350 से ज्यादा सीटें जीतीं। अब निगाहें 400 पार पर हैं।

1984 के चुनाव में भाजपा ने जीतीं 2 सीटें

गौलतलब है कि 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या हो गई। ऐसे में सुहानुभूति लहर के चलते कांग्रेस को 400 से ज्यादा सीटें मिलीं और राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। बीजेपी के खाते में केवल 2 सीटें गईं। एक सांसद गुजरात के मेहसाणा से एके पटेल और दूसरे आंध्र प्रदेश की हनामकोंडा से चंदू भाई पाटिया जंगारेड्डी चुने गए।

1989 के चुनाव से भाजपा ने हासिल की बढ़त

बता दें कि 1980 से 6 साल तक वाजपेयी भाजपा के अध्यक्ष रहे। उन्हें हटाकर लाल कृष्ण आडवाणी का चेहरा आगे लाया गया। इसके बाद जब 1989 में लोकसभा चुनाव हुआ तो बीजेपी 85 सीटें जीतने में सफल रही।

रामायण के सेट से तस्वीरें लीक, मोबाइल पर लगा बैन

मुंबई। फिल्म रामायण के सेट से लगातार तस्वीरें लीक हो रही हैं। इन सभी बातों से डायरेक्टर नितेश तिवारी काफी अपसेट हैं। सबसे पहले फिल्म रामायण के सेट की इंटरनेट पर तस्वीरें लीक हुईं। अब सोशल मीडिया पर दशरथ बने अरुण गोविल और कैकयी बनीं लारा दत्ता का लुक रिवील हो गया है। लंबी दाढ़ी और बालों में अरुण गोविल को पहचान पाना मुश्किल है। यूं स्टार्स की फोटोज लीक होने से मेकर्स काफी परेशान हैं। इसलिए अब डायरेक्टर नितेश तिवारी ने अहम फैसला लिया है। सूत्र के हवाले से बताया कि सेट पर नो फोन पॉलिसी लागू की गई है।

अदा

मैं एक प्राइवेट पर्सन हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा पिछले दिनों द केरल स्टोरी को लेकर खूब चर्चा में रहीं। इसके बाद अदा 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' में भी नजर आईं। लेकिन, फिल्म को द केरल स्टोरी की तरह सफलता नहीं मिल पाई। पिछले दिनों अदा एक और वजह से चर्चा में थीं। अभिनेत्री कुछ समय पहले दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के मुंबई वाले अपार्टमेंट के बाहर नजर आई थीं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक्ट्रेस को सुशांत सिंह राजपूत के अपार्टमेंट के बाहर देखे जाने के बाद ऐसी चर्चा होने लगी कि अभिनेत्री अभिनेता के अपार्टमेंट को या तो खरीदने वाली हैं या फिर यहां वह किराये से रहेंगी। हालांकि, अब तक अदा ने इन खबरों पर चुप्पी साध रखी थी। एक इंटरव्यू में अदा शर्मा ने सुशांत सिंह राजपूत के अपार्टमेंट के बाहर खुद को देखे जाने पर रिएक्शन देते हुए कहा, फिलहाल मैं बस यही कहना चाहूंगी कि मैं सभी के दिलों में रहती हूं। बोलने का एक सही समय होता है। जब मैं वह जगह देखने गई थी तो मीडिया का ध्यान देखकर हैरान रह गई थी। मैं एक प्राइवेट पर्सन हूं। मुझे अपनी फिल्मों के लिए लोगों की नजरों में रहना पसंद है, लेकिन मैं हमेशा ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर प्राइवेट रही हूं। मैं अपनी प्राइवेसी की रक्षा करती हूं। अदा ने आगे कहा, 'मुझे लोगों का ढीले-ढाले कमेंट करना पसंद नहीं हैमुझे यह पसंद नहीं आया। मैंने उनके बारे में कुछ कमेंट पढ़े। मेरा मतलब है, आप मुझे ट्रोल कर सकते हैं, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति को ट्रोल न करें जो वहां मौजूद नहीं है या जिसके बारे में बोलने के लिए कोई नहीं है। मैं जल्द ही इस बारे में बोलूंगी कि मैं कहां रहती हूं, लेकिन अभी मैं लाखों लोगों के दिलों में रह रही हूं, वो भी बिना किराये के।

दो और दो प्यार का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। अपनी आखिरी प्रदर्शित फिल्म नीयत में अपनी भूमिका से दर्शकों को प्रभावित करने वाली विद्या बालन इन दिनों अपनी अगली प्रदर्शित होने वाली फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वे प्रतीक गांधी के साथ दिखाई देंगी, जो हाल ही में प्रदर्शित हुई मडगांव एक्सप्रेस में नजर आए थे। रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दो और दो प्यार' का ट्रेलर जारी हो चुका है। विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति अभिनीत फिल्म रोमांस की नई परिभाषा सिखाएगी। फिल्म का ट्रेलर कॉमेडी, इमोशन और रोमांटिक ट्विस्ट के साथ काफी दिलचस्प लग रहा है।

भुवन बाम की ताजा खबर 2 का टीजर जारी

मुंबई। यूट्यूबर और एक्टर भुवन बाम की हिट वेब सीरीज 'ताजा खबर' के दूसरे सीजन का टीजर रिलीज कर दिया गया है। हिमांक गौर द्वारा निर्देशित 'ताजा खबर 2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसे जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा। 'ताजा खबर 2' के टीजर की शुरुआत भुवन बाम के किरदार वस्या से होती है, जो कहता है कि जिंदगी बड़ी अजीब है। कभी कभी मौत से शुरू होती है। सीरीज की कहानी वंसत गावड़े उर्फ वस्या की है और भुवन बाम ने उसी का किरदार निभाया है। एक भयानक खुलासे और तनावपूर्ण रिश्तों के बीच, यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जिसे अचानक जादुई शक्तियां मिल जाती हैं। उससे उसकी जिंदगी में भारी उथल-पुथल मच जाती है। 'ताजा खबर' का पहला सीजन 5 जनवरी 2023 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया गया था, जिसे खूब प्यार मिला था।

48 की उम्र में जागी शादी करने की इच्छा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन आखिरी बार वेब सीरीज ताली और आर्या 3 में नजर आई थीं। दोनों सीरीज से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके अलावा वह अपनी पर्सनल लाइफ (सुष्मिता सेन वेडिंग प्लान) को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस अपने रिलेशनशिप और बॉयफ्रेंड को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं। वहीं फैंस को अब उनकी शादी का इंतजार है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी शादी के प्लान के बारे में बात की है। शादी करने के सवाल पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह शादी जरूर करेंगी। उन्होंने कहा, 'यह कभी भी 'कभी नहीं' वाली स्थिति नहीं थी। चाहे जैविक घड़ी हो या समाज के नियम, ये कभी भी शादी करने का सही कारण नहीं है। जहां तक मेरी बात है तो अगर मेरे सामने वाला शख्स सही है और मेरे सभी मानकों पर खरा उतरता है तो मैं जरूर शादी करूंगी।' पर्सनल लाइफ की बात करें तो सुष्मिता लंबे समय से रोहमन के साथ अपने रिश्ते को लेकर खबरों में हैं। इस जोड़े ने 2018 में डेटिंग शुरू की और 2021 में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में दोनों ने अपने ब्रेकअप की घोषणा की।

जैकलीन के किलर डांस मूव्स ने सोशल मीडिया पर लगाई आग

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस पहले ही अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से दर्शकों को प्रभावित कर चुकी हैं। अब बारी है उनके कातिलाना डांस मूव्स की। हाल ही में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का एक हॉट वीडियो सामने आया है। इसमें एक्ट्रेस अपने हिट गाने2'यिम्मी यिम्मी' पर डांस करती नजर आ रही हैं। इस डांस वीडियो में एक्ट्रेस का इस गाने के लिए ट्रेनिंग सेशन दिखाया गया है। इसमें एक्ट्रेस अपने दो को-डांसर्स के साथ जोरदार प्रैक्टिस करती नजर आ रही थीं। सामने आए इस वीडियो में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस व्हाइट शॉर्ट स्कर्ट और ब्लाउज के साथ 'यिम्मी यिम्मी' गाने पर डांस कर रही हैं। ये देखकर लोग हैरान रह गए। इस वीडियो में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस जबरदस्त डांस करती नजर आ रही हैं। उनके मूव्स ने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया। इस वीडियो के सामने आने के बाद लोग इस पर जमकर कमेंट करते नजर आए।

14 साल बाद हुआ फरदीन खान का कमबैक

मुंबई। फरदीन खान जहां 'हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार' के जरिए 14 साल बाद एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, रियल लाइफ पिता-पुत्र की जोड़ी भी सीरीज में दमदार रोल निभाते हुए नजर आएंगे। उनके लुक भी फिल्म से रिवील हुए हैं।

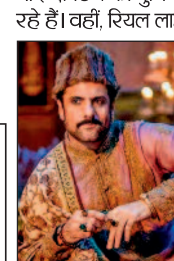

इनके अलावा एक और हीरो का लुक भी रिवील किया गया है। 'हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार' से फरदीन का लुक रिवील किया गया है। फरदीन खान ने वली मोहम्मद का किरदार निभाया है। वली मोहम्मद एक ऐसा नवाब है, जो हीरामंडी की महिलाओं के साथ खड़ा है और उको सपोर्ट करता है। फरदीन खान ने अपने इस किरदार को लेकर एक्साइटमेंट जताई है. उन्होंने कहा कि इस तरह के किरदार के साथ अपना नेटफ्लिक्स डेब्यू करना स्क्रीन पर एकदम सही कमबैक जैसा लगता है।

एक्शन से भरपूर रुसलान का ट्रेलर लॉन्च

मुंबई। एक्टर आयुष शर्मा की आने वाली फिल्म 'रुसलान' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म का टीजर और गाने पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुके हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। इस पावर पैक्ड एक्शन फिल्म में आयुष शर्मा का किरदार बेहद खतरनाक लग रहा है। मेकर्स ने फिल्म में एक्शन के साथ-साथ रोमांस का तड़का भी लगाया है। यह फिल्म 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म में एक्शन के साथ-साथ रोमांस का तड़का भी लगाया है। ट्रेलर में आयुष शर्मा के अलावा जगपति बाबू, सुश्री मिश्रा और सुनील शेट्टी भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में जहीर इकबाल भी अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। रुसलान' का निर्देशन करण ललित बुटानी ने किया है। वहीं, केके राधामोहन ने इसे प्रोड्यूस किया है।

देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। चुनाव में अपनी जीत पक्की करने के लिए सभी पार्टियां कमर कस चुकी हैं। कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब अहम सवाल यह है कि कांग्रेस जो वादे कर रही है उनको किस तरह से पूरा करेगी और उनके लिए धन कहां से आएगा, इन्ही पहलुओं पर विचार करता आजकल का यह अंक...

कांग्रेस की गारंटी या विरोध पत्र

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस ने जो चुनावी घोषणा-पत्र जारी किया है वह केवल प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों का विरोध-मात्र है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था।

कांग्रेस ने 48 पन्नों के 'न्याय-पत्र' में जो 344 चुनावी वादे किए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक विरोध के प्रतीक-चिह्न हैं। कांग्रेस का घोषणा-पत्र प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों का 'विरोध-पत्र' है। एक बानगी ही पर्याप्त है कि कांग्रेस सरकार आई, तो वह 'नीति आयोग' का नाम पलट कर 'योजना आयोग' कर देगी। कांग्रेस की सोच में कुछ भी मौलिकता और नयापन नहीं है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारियों की 'पुरानी पेंशन स्कीम' (ओपीएस) ने हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी ओपीएस कांग्रेस का बुनियादी चुनावी मुद्दा था, लेकिन 'न्याय पत्र, 2024' में वह गायब है। धनशोधन निरोधक अधिनियम' (पीएमएलए) को ही रद करने का विचार कांग्रेस में उभरा था। शायद आज की कांग्रेस को जानकारी नहीं है कि 2009 में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान ही पीएमएलए में 'आपराधिक साजिश' की धारा 120-बी को जोड़ा गया था, लिहाजा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) साजिश के किसी भी मामले में दख़ल देने में सक्षम हो गया। यह दीगर है कि 2015 और 2019 में मोदी सरकार ने पीएमएलए को अधिक व्यापक और कठोर कानून बना दिया। आजकल ज्यादातर विपक्षी नेता ईडी के छापों और कानूनी कार्रवाई से संत्रस्त हैं, लिहाजा कांग्रेस पीएमएलए में संशोधन करेगी, ताकि ईडी के दुरुपयोग को रोका जा सके। 'न्याय-पत्र' मौजूदा कानूनों और प्रावधानों के खिलाफ विरोध की प्रतिक्रिया का एक दस्तावेज है। आखिर कांग्रेस ने बहुसंख्यकवाद, यानी हिन्दुओं, के खिलाफ और अल्पसंख्यकों के लिए प्रतिबद्धता की घोषणा क्यों की है? क्या यही कांग्रेस की राजनीतिक और सांप्रदायिक मंशा है?

न्याय और गारंटी

कांग्रेस ने 10 'न्याय' और 25 गारंटियों की घोषणा की है। 'न्याय' के तहत हिस्सेदारी, किसान, श्रमिक, युवा, नारी, आर्थिक, राज्य, रक्षा, पर्यावरण और संवैधानिक न्यायों की बात कही गई है। यानी कांग्रेस मान रही है कि देश लगातार 'अन्याय' के साथ जीता रहा है। कांग्रेस की सरकार केंद्र में आई, तो सभी प्रमुख 'न्याय' लोगों को मुहैया कराए जाएंगे। दरअसल कांग्रेस ने देश पर 55 साल से अधिक समय तक शासन किया है। पिछली सरकार मई, 2004 से मई, 2014 के दौरान 10 साल तक रही। अच्छा है कि खुद कांग्रेस स्वीकार रही है कि उसकी सरकारों के दौरान भी अन्याय किए गए। अब कांग्रेस ने कुछ ऐसी घोषणाएं की हैं, जिनके जरिये वह कई स्तरों पर 'न्याय' कर सकती है। मसलन-30 लाख सरकारी नौकरी के पदों पर भर्तियां की जाएंगी। हर गरीब परिवार को बिना शर्त 1 लाख रुपये सालाना दिए जाएंगे। इस योजना का नाम 'महालक्ष्मी' रखा गया है और यह राशि घर की सबसे

बुजुर्ग महिला को दी जाएगी। स्वास्थ्य बीमा 25 लाख रुपये का किया जाएगा। मनरेगा की दिहाड़ी 400 रुपये रोज़ाना की होगी। 25 साल से कम उम्र वाले स्नातक और डिप्लोमाधारी युवाओं को ट्रेनी की पहली नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उस अवधि के दौरान एक लाख रुपये का मानदेय भी दिया जाएगा। नौकरी के लिए आवेदन की कोई फीस नहीं देनी पड़ेगी और पेपर लीक से मुक्ति भी दिलाई जाएगी। यह 'न्याय' भी किया जाएगा कि 'अग्निवीर' योजना बंद की जाएगी। अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी आदि के आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को बढ़ाया जाएगा। केंद्र की 50 फीसदी नौकरियां महिलाओं को ही दी जाएंगी। संसद और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण का कानून 2025 से ही लागू किया जाएगा।

जांचों का सिलसिला

चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में 'नोटबंदी' लागू की थी, लिहाजा कांग्रेस की सरकार आई, तो उसकी जांच कराई जाएगी। जिन चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत ने 'असंवैधानिक' करार दिया है, उसकी भी जांच कराई जाएगी। कांग्रेस फ्रांस सरकार के साथ राफेल लड़ाकू विमान सौदे की जांच कराना 'न्याय' मान रही है, लेकिन अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे, पनडुब्बी सौदे, सैन्य ट्रक घोटाले, कोयला खदान, 2जी स्पेक्ट्रम, राष्ट्रमंडल खेल घोटालों की जांच क्यों नहीं कराना चाहती? ये 15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले आरोपित हैं। क्या इनकी नए सिरे से जांच 'न्यायिक' नहीं होगी? यह भी घोषणा की गई है कि जो नेता कांग्रेस या विपक्ष के अन्य दल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, उनके खिलाफ ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग की जांच दोबारा शुरू कराई जाएगी। एक अनुमान के मुताबिक, कांग्रेस समेत विपक्ष से टूटकर 80,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। भाजपा का कुल लक्ष्य 1 लाख बताया जा रहा है। करीब 17,000 कार्यकर्ता और नेताओं ने अकेले मध्यप्रदेश में ही कांग्रेस को छोड़ा है। आखिर किस-किस की जांच कांग्रेस करवाएगी? कांग्रेस ने साफ़ कर दिया है कि देश में 'एक चुनाव' की व्यवस्था कभी लागू नहीं की जाएगी। 'नागरिकता संशोधन कानून' (सीएए) समेत कुछ और विवादित कानूनों को भी रद किया जाएगा। मोदी सरकार ने आईपीसी, सीआरपीसी, साक्ष्य कानूनों के स्थान पर जो नई 'भारतीय न्याय संहिता' लागू की है, उसे भी रद किया जाएगा। कांग्रेस जीएसटी परिषद का पुनर्गठन भी 'न्याय' मानती है, जबकि यह कानून संसद से ही पारित हुआ था। कांग्रेस मोदी सरकार की संघवादी शिक्षा नीति की भी समीक्षा करेगी।

विरोधाभासी न्याय

दलबदल निरोधक कानून और किसानों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) दो विरोधाभासी न्याय साबित हो सकते हैं। दलबदल कानून राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में लागू किया था। बाद में वाजपेयी सरकार के दौरान तत्कालीन कानून मंत्री अरुण जेटली ने इसे ज्यादा कड़ा कानून बना दिया था। आज़ाद भारत में सबसे अधिक दलबदल 1967-71 के दौरान किए गए, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। सबसे अधिक सरकारें भी उसी कालखंड में गिराई गईं। अब कांग्रेस संविधान की 10वीं अनुसूची में संशोधन कर 'न्याय' पेश करना चाहती है। उसका वादा है कि विधानसभा या संसद में जैसे ही कोई प्रतिनिधि दलबदल करता है, वह स्वतः ही 'अयोग्य' हो जाना चाहिए। बेशक यह संविधान संशोधन संसद में ही दो-तिहाई बहुमत से पारित कराना पड़ेगा। फिलहाल कांग्रेस के पक्ष में ऐसे जनादेश के आसार तक नहीं हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के तहत किसानों की फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्जमाफी की घोषणा की है। डॉ. स्वामीनाथन आयोग ने अपनी सभी रपटें 2006 में ही भारत सरकार को सौंप दी थी। तब कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार केंद्र में थी। मई, 2014 तक एमएसपी पर एक भी कदम नहीं उठाया गया। एमएसपी की शुरुआत 1966-67 में की गई थी और तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। देश में खाद्य संकट का दौर था। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए एमएसपी की घोषणा की गई थी, लेकिन इतने लंबे अंतराल के बाद अब मोदी सरकार को एमएसपी के लिए 'खलनायक' करार दिया जा रहा है। यदि कांग्रेस के 'न्याय' पर ही भरोसा करें, तो यकीन कौन दिलाएगा कि एमएसपी की कानूनी गारंटी लागू कर ही दी जाएगी?

लोकतंत्र अभी जिंदा

चूंकि कांग्रेस ने अपना 'न्याय-पत्र' जारी किया है और वह देश के करीब 97 करोड़ मतदाताओं को आश्वस्त कर रही है। यानी लोकतंत्र अब भी जिंदा है। दूसरी तरफ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 2024 के आम चुनाव को संविधान और लोकतंत्र बचाने का चुनाव मान रहे हैं। यह कैसा विरोधाभास है? चुनाव आयोग को गालियां भी दी जा रही हैं, फिर भी मतदान ईवीएम के जरिये ही होगा। अलबत्ता वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाएगा, यह आयोग द्वारा निर्धारित व्यवस्था है ही। कांग्रेस अक्सर 45 सालों के दौरान की सर्वाधिक बेरोज़गारी और अत्यधिक महंगाई को लेकर प्रलाप करती रही है। बेशक ये विसंगतियां देश में हैं, लेकिन देश को याद रखना होगा कि कांग्रेस राज में 26 फीसदी तक महंगाई रही है, जो आज 5-6 फीसदी के करीब है। यूपीए सरकार में ही मुद्रास्फीति की दर 12-14 फीसदी तक रही थी। दोनों स्थितियों से मोदी सरकार लड़ रही है, लोगों को राहत भी दी है, करोड़ों के मुद्रा लोन भी मुहैया कराए हैं, 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को 'मुफ्त अनाज' बांटा जा रहा है। यही कारण है कि महंगाई और बेरोज़गारी की चरम स्थितियां होने के बावजूद बार-बार जनादेश भाजपा के पक्ष में रहता है।

अब भी चुनावी हवाएं प्रधानमंत्री मोदी के ही पक्ष में हैं। कांग्रेस ने 'न्याय' के नाम पर जो आश्वासन परोसे हैं, यदि उसकी सरकार भी आती है, तो उन्हें लागू करना टेढ़ी खीर होगी। देश में किसी की भी सरकार हो, लेकिन कोई भी लोकतंत्र और संविधान से बढ़कर नहीं हो सकता। संविधान है, तो मजबूत न्यायपालिका भी है। राहुल गांधी कुछ भी कहते रहें, यह देश उन्हें गंभीरता से कब ग्रहण करेगा, उस दिन का इंतज़ार रहेगा।

कांग्रेस ने खोला वादों का पिटारा

घोषणा पत्र
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव घोषणा पत्र जारी करने में देश की सबसे पुरानी पार्टी बाजी मारने में कामयाब रही है। जैसा कि अक्सर होता है, चुनाव घोषणा पत्र राजनीतिक दल का भावी शासन का रोडमैप होता है। कांग्रेस ने इस रोड मैप को हाल के दिनों में अख्तियार किए दो शब्दों 'न्याय' और 'गारंटी' के इर्द-गिर्द ही केंद्रित किया है, लेकिन इस रोडमैप को मोटे तौर पर देखें तो वह कुछ मुद्दों पर अपनी पुरानी गलतियों को दुरुस्त करती दिख रही है, तो कई बार वह नेहरूवादी समाजवाद की ओर बढ़ती नजर आ रही है तो कई मुद्दों पर राहुल-प्रियंका के वामपंथी सलाहकारों का असर नजर आ रहा है।

सवाल उठते हैं

कांग्रेस इन दिनों जिस तरह न्याय और गारंटी पर जोर दे रही है, उससे कुछ सवाल जरूर उठते हैं। देश की आजादी का 77वां साल चल रहा है। इतने दिनों में पचपन साल तक उसका ही शासन रहा है। जाहिर है कि आजाद भारत के दो तिहाई हिस्से पर कांग्रेस का ही शासन रहा है। इसके बावजूद वह लोगों को न्याय दिलाने का वादा करती है, गारंटियां देने की बात करती है तो यह सवाल जरूर उठेगा कि कांग्रेस क्या अपने शासनकाल में लोगों को न्याय नहीं दे पाई या फिर वह पहले गारंटी नहीं दे पाई। जाहिर है कि जब ये सवाल उठेंगे तो कांग्रेस और उसके समर्थक जवाब में कह सकते हैं कि पार्टी का न्याय और गारंटियों का वादा भाजपा शासन काल के दौरान हुए अन्याय और अनदेखी का जवाब है, लेकिन कांग्रेस के घोषणा पत्र को गौर से देखेंगे तो पता चलेगा कि पार्टी कुछ ऐसे मुद्दों पर अपनी गलती को सुधार करती दिख रही है, जिन्हें राष्ट्रवादी राजनीति के मुद्दे माना जाता है। आर्थिक सुधार प्रक्रिया के तहत नई पेंशन योजना को स्वीकार करना और समान नागरिक संहिता को स्वीकार करना राष्ट्रवादी राजनीति के ही मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में इन दोनों अहम मुद्दों पर चुप्पी साध ली गई है। कांग्रेस के घोषणा पत्र को जारी करते हुए घोषणा पत्र समिति के प्रमुख पी चिदंबरम ने बड़े जोर देकर कहा कि कांग्रेस की सरकार बनेगी तो वह सिर्फ नौकरी, नौकरी और नौकरी ही देगी। चुनाव घोषणा पत्र में बेरोजगारी को बड़ा मुद्दा बनाते हुए सरकारी दफ्तरों और सार्वजनिक निगमों में खाली पड़े तीस लाख पदों को भरने का वादा किया गया है। पार्टी खुद ही अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के एक सर्वे आंकड़े का हवाला देते हुए कहती है कि देश के पच्चीस साल तक की उम्र वाले युवाओं में से 42 फीसदी बेरोजगार हैं। अगर इसी आंकड़े पर भरोसा करें तो यह संख्या करोड़ों में होगी। कांग्रेस सिर्फ तीस लाख सरकारी पदों को भरने का स्पष्ट वादा तो कर रही है, लेकिन शेष युवाओं का क्या होगा, पार्टी इस पर मौन है। हां, वह तकनीकी शिक्षा ले चुके युवाओं के लिए एक साल के लिए अप्रेंटिसशिप का वादा जरूर कर रही है, जिसमें एक लाख सालाना मिलेंगे। इस रकम का आधा हिस्सा सरकारें वहन करेंगी। यूपीए एक के शासन के दौरान पार्टी ने मनरेगा की शुरूआत की थी। इसे पार्टी अपना बेहतरीन कदम मानती है। घोषणा पत्र में इसकी चर्चा नहीं होती तो आश्चर्य होता। पार्टी ने मनरेगा की मजूदरी 400 रुपये तक बढ़ाने का वादा कर रही है। इसे संयोग कहें या कुछ और कि प्रवक्ता गौरव बल्लभ और धाकड़ सांसद

रहे संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ी, उसके ठीक बाद ही कांग्रेस ने अपने महत्वाकांक्षी घोषणा पत्र को जारी किया। घोषणा पत्र एक या दो दिन में नहीं तैयार किए जाते हैं, इसलिए यह उम्मीद करना कि चुनाव घोषणा पत्र में कुछ ऐसा होगा, जिसके जरिये पार्टी अपने यहां मची भगदड़ को रोकने या उसे संबोधित करने की कोशिश करेगी। संजय निरूपम ने पार्टी छोड़ते वक्त आरोप लगाया था कि कांग्रेस इन दिनों वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में ज्यादा है। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा भी वामपंथी वैचारिकता का ही विस्तार है। जाति जनगणना की भी बात वाम वैचारिकी की ही देन है।

वाम वैचारिकी

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में संस्थानों की स्वायत्तता पर भी एक तरह से सवाल खड़ा किया है। इसमें चुनाव आयोग और न्यायपालिका शामिल है। यह सोच भी वाम वैचारिकी की ही है। कांग्रेस ने जहां चुनाव आयोग को स्वायत्त बनाने का वादा किया है, वहीं न्यायपालिका में वंचित तबकों को बढ़ावा देने के साथ ही न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने का भी वादा किया है। मीडिया को भी स्वायत्त बनाने की भी बात कही गई है। माना जा रहा है कि इसके जरिये पार्टी ने मीडिया में कार्यरत लोगों के समर्थन की उम्मीद रखी है।

पांच न्याय

अब बात करते हैं, कांग्रेस के पांच न्याय की। पार्टी ने जिन न्याय की बात की है, उसमें पहला है युवा न्याय। इस गारंटी के तहत 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। दूसरे नंबर पर पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय की चर्चा की है, जिसके तहत जाति जनगणना कराने की 'गारंटी' दी गई है। तीसरे नंबर पर किसान न्याय की चर्चा की गई है, जिसके तहत कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने के साथ ही किसानों की कर्ज माफी के लिए आयोग के गठन के साथ-साथ जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। चौथे नंबर पर पार्टी ने श्रमिक न्याय की बात की गई है। पार्टी ने इसके तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार, मनरेगा की न्यूनतम मजूदरी 400 रुपये रोजाना करने के साथ ही शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया गया है। पांचवां न्याय है नारी न्याय। इसके तहत कांग्रेस ने 'महालक्ष्मी' गारंटी देने का वादा किया है। इसमें गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये सालाना देने समेत कई वादे किए गए हैं। इसके साथ ही गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख की मदद का भी ऐलान किया गया है।

घोषणा पत्र के वादे

पार्टी के घोषणा पत्र के कुछ प्रमुख वादों पर निगाह डाल लेते हैं। पार्टी ने कहा है कि अगर उसकी सरकार बनी तो वह महिलाओं को 6 हजार रुपये प्रति माह देगी। इसके साथ ही उन्हें केंद्र सरकार की नौकरियों में एक तिहाई आरक्षण देने का भी वादा किया गया है। पार्टी ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की संख्या बढ़ाने का भी वादा किया है। पार्टी अपनी हर चुनावी सभा में महंगाई का हवाला देती है। इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी ने गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का भी वादा किया है। पार्टी ने संवैधानिक न्याय और आर्थिक न्याय का भी वादा किया है। घोषणा पत्र में देश की रक्षा करने वाली विदेश नीति पर काम करने की बात की गई है। मछुआरों के लिए डीजल सब्सिडी दे के साथ ही अगले 10 वर्षों में देश की जीडीपी को दोगुना करने का लक्ष्य भी रखा गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में मॉब लिंचिंग, बुलडोजर न्याय और फर्जी मुठभेड़ जैसे कदमों का विरोध किया है।

वादों पर भरोसा

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी ने ऐसे ही कुछ वादे किए थे, लेकिन तेलंगाना छोड़ उसे कहीं समर्थन नहीं मिल पाया। ऐसे में देखना होगा कि चुनावी रण में जनता उसके इन वादों पर कितना भरोसा कर पाती है?

तय हो राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी

दो टूक
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कहलाए जाने वाले भारत में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी पार्टियां अपने-अपने चुनावी वादों के साथ मैदान में उतर चुकी हैं। प्रचार के दौरान कांग्रेस, भाजपा से लेकर सभी छोटी बड़ी पार्टियों ने जनता के बीच कई वादे भी करने शुरू कर दिए हैं। लोकलुभावन घोषणा पत्र भी पार्टियों के आने लगे हैं। कांग्रेस ने भी आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में पांच 'न्याय' और 25 'गारंटी' का वादा किया है। घोषणा पत्र में कई तबकों के लिए अलग-अलग तरह की गारंटी दी गई हैं। पार्टी ने घोषणा पत्र में युवा, किसान, महिला, बुजुर्ग, कारोबारी और अन्य दूसरे वर्गों पर भी फोकस किया है। इन सभी के लिए कई तरह के वादे किए गए हैं। गौर करने वाली बात ये है कि 'न्याय' शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस ने 2019 के घोषणा पत्र में भी किया था। पिछले चुनाव में वेलफेयर योजना के तहत कांग्रेस ने 'न्यूनतम न्याय योजना' का वादा किया था, पर इस बार के न्याय पत्र में ये वाला 'न्याय' नहीं है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में एक और बात गौर करने लायक है। उसने कई राज्यों में ओल्ड पेंशन स्कीम को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ा। लंबे समय से राहुल गांधी भी ओपीएस की तरफदारी करते रहे हैं, लेकिन लोकसभा के लिए जारी हुए घोषणा पत्र में कांग्रेस ने ओपीएस का जिक्र तक नहीं किया है। खैर, ऐसे कई वादे हैं जो पिछली बार किए गए थे, लेकिन इस बार के घोषणा पत्र में नहीं हैं। कई नए वादे भी हैं जो पिछली बार से अलग हैं।

शानदार भारत

हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी के इस घोषणा पत्र में भविष्य के शानदार भारत की तस्वीर नजर आती है। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी का घोषणा पत्र जनता की आवाज है। ये घोषणा पत्र कांग्रेस पार्टी ने नहीं बनाया, ये घोषणा पत्र हिंदुस्तान की जनता ने बनाया है। हमने सिर्फ इसको लिखा है, तो दूसरी तरफ बीजेपी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया है। अहम सवाल ये नहीं है कि किसने क्या कहा। सवाल महत्वपूर्ण ये है कि कांग्रेस के इस घोषणा पत्र का आम जनता पर असर कितना होगा? क्योंकि इस घोषणा पत्र के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त कार्यकर्ता नहीं हैं। दूसरी ओर भाजपा एक काडर वाली पार्टी है। वो अपनी पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। कांग्रेस के कार्यकर्ता कितने सक्षम हैं और वो लोगों तक पार्टी के पैग़ाम को ले जा सकेंगे ये देखना

होगा। इसके अलावा सबसे बड़ी चुनौती राहुल गांधी और उनकी पार्टी के लिए ये है कि क्या वो हिंदी बेल्ट में इस अच्छे मैनिफ़ेस्टो के पैग़ाम को लोगों तक पहुंचाने में सफल होंगे? कांग्रेस के लिए ये एक बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि हिन्दी बेल्ट के किसी राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार नहीं है। अपवादस्वरूप हिमाचल प्रदेश को छोड़कर।

वादे कैसे पूरा करेंगे

बहरहाल, चुनावी मौसम में इन दिनों हर जगह सभी पार्टियों के बड़े-बड़े नेता गला फाड़कर चिल्ला रहे हैं कि हम आपके लिए ये करेंगे, वो करेंगे। किसी पार्टी से सरोकार न रखने वाले हम जैसे लोगों को ये समझ नहीं आ रहा कि आखिर पार्टियां इन वादों को कैसे पूरा करेंगी। अगर हम एक बार के लिए ये मान भी लें कि राजनीतिक पार्टियों की मंशा साफ है और वह सत्ता में आने के बाद अपने वादों को पूरा करेंगी तो आखिर पैसा आएगा कहां से। ये हम जैसे लोगों के समझ से परे हैं। मेरा सिर्फ इतना मानना है कि राजनीतिक दल सोच समझ कर जनता से वादे करें। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को सत्ता में वापसी की कोशिश हो या सत्ता हासिल करने की कोशिश हो दोनों के लिए ही मतदाताओं को लुभाना जरूरी होता है। आजकल अधिकांश नेता यही मानकर चल रहे हैं कि लोकलुभावन घोषणाओं से लोगों को आकर्षित करो ताकि लोग उनके उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करें, बाकी बात बाद में देखी जाएगी। ऐसा देखा गया है कि कई पार्टियां मेनिफेस्टो में बड़े-बड़े ऐलान करती हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद वो किए हुए वादों को निभाने में 100 प्रतिशत सफल नहीं हो पाती। आम लोगों का मानना है कि पार्टियां वादे करते समय इस बात का ध्यान नहीं रख रहीं कि वे कैसे उन वादों को पूरा करेंगी, उनकी कोशिश सिर्फ यही रहती है कि हमारे वादे दूसरी पार्टियों के मुकाबले ज्यादा आकर्षक हों। यही कारण है कि सारी पार्टियां किसानों की कर्ज माफी से लेकर बेरोजगारी भत्ते जैसे बड़े-बड़े वादे कर रही हैं। ये ठीक है कि राजनीतिक दलों को चुनावी वादे करने से रोका नहीं जा सकता है, लेकिन मतदाता को भी ये जानने का हक है कि उनसे किए गए वादे पूरे कैसे किए जाएंगे। उन वादों को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा।

महत्वपूर्ण प्रश्न

चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने के लिए पार्टियों को धन कहां से आएगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। चुनावी घोषणा पत्र और पार्टियों को उसमें दिए वादों को पूरा करने का मामला एक से ज्यादा बार अदालत पहुंचा है। साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर वकील मिथिलेश कुमार पांडे ने जनहित याचिका दायर की थी। हालांकि याचिका को मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू और न्यायमूर्ति अमिताव रॉय की पीठ ने यह कहकर खारिज कर दिया कि क्या कानून में कोई प्रावधान है जो घोषणा पत्र में किए गए वादों को किसी राजनीतिक दल के खिलाफ लागू करने योग्य बनाता है? इसका निष्कर्ष ये था कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए पार्टी कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। खैर, मेरा मानना है कि जनता को लुभाने और चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा झूठी घोषणाएं करना बेहद गंभीर विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा करना जरूरी है। कुछ राजनीतिक दलों ने झूठे वादों से जनादेश चोरी करने की महारत भी हासिल कर ली है। इसलिए अब समय आ गया है कि चुनावी वादों के साथ-साथ देश व प्रदेश का बजटीय आकलन भी घोषणा पत्र में प्रकाशित होना चाहिए, ताकि देश व प्रदेश के हर लाभार्थी व प्रबुद्ध नागरिक झूठी घोषणाओं और वादों के झांसे में आने से बच सकें।

हेल्दी रहने के लिए अच्छा पौष्टिक भोजन, व्यायाम और आसन करना तो जरूरी है ही, साथ ही मन से आनंदित रहना भी जरूरी है, तभी आप स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रह सकते हैं। मन से आनंदित रहने के लिए आपको अपनी जीवनशैली में दस फंडों को अपनाना होगा। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं, इन्हीं दस फंडों के बारे में।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

जिंदगी के मकान में जरूर हों ये 10 कमरे

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

हम में से अधिकतर लोग सोचते हैं कि भरपूर धन-दौलत से ही आसानी से जिंदगी में स्वस्थ रह सकते हैं, खुशी महसूस कर सकते हैं। लेकिन ऐसा पूरी तरह सच नहीं है। दर्जनों प्रेरक पुस्तकें लिखने वाले विद्वान लेखक डॉ. फ्रैंक क्रेन ने अच्छी सेहत और खुशहाल जिंदगी पाने के अचूक नुस्खे एक लेख में बताए हैं। यह लेख 'द अमेरिकन मैगजीन' में करीब सौ साल पहले (1920 के आस-पास) छपा था। इस लेख में उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित कई अनमोल सूत्र बताए हैं।

कला से लगाव : यह दुनिया खूबसूरत चीजों से भरी हुई है। लेकिन उस खूबसूरती का लुत्फ उठाना आप तभी सीख पाएंगे, जब आपको कला की समझ होगी। इसलिए कला से लगाव बढ़ाएं। जब आप कला की कद्र करने लगेंगे तो आपको इससे ऐसी खुशी मिलने लगेगी, जैसी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होने पर मिलती है। चित्रकला हो, काष्ठकला या मूर्तिकला जिसमें आपका मन रमे, उसमें कुछ समय जरूर दें।

साहित्य से प्रेम : जिसे साहित्य पढ़ने में रुचि होती है, उसे इसमें ढेर सारी खुशी और ज्ञान प्राप्त होता है। इसमें रुचि लेने से वैचारिक स्तर पर आप समृद्ध होते जाएंगे। साहित्य से प्रेम करेंगे, तो आपको जीवन से प्रेम होने लगेगा और ताजगी महसूस करने लगेंगे।

संगीत का आनंद : डॉ. फ्रैंक के अनुसार जिसे संगीत से प्यार नहीं, वो दुनिया का सबसे गरीब आदमी कहा जा सकता है। जिंदगी में सुर और ताल बनाए रखने के लिए संगीत में रुचि बहुत कारगर साबित होती है। यकीन करें, अगर आप अपनी आत्मा को संगीत से सींचेंगे तो आपको आलौकिक आनंद महसूस होने लगेगा।

घुमक्कड़ी का शौक : शहरों में रहने वाले अधिकतर लोग दिन हो या रात चारदीवारी में ही घिरे रहते हैं। अधिकांश समय खुली, ताजा हवा में सांस नहीं ले पाते। स्वस्थ रहना है तो खुला आसमान, हरियाली भरे जंगल, जीवंतता के प्रतीक झरने आदि का आनंद उठाना सीखें। कभी खुले आसमान के नीचे लेट कर आकाश के तारे निहारें, हरी दूब पर लेटें, ताजा हवा के झोंकों में खुद को खुला छोड़ दें, पहाड़ों की गोद में यूं ही घूमने चले जाएं, फिर देखिए कैसी खुशी मिलती है!

संवेदनशील मन: संवेदनशील बनना भी स्वस्थ रहने के लिए बहुत कारगर है। हृदय के दरवाजे हमेशा खोल कर रखें। दूसरों के सुख-दुख को महसूस करें और उनमें शरीक हों। स्नेह, प्यार, मित्रता, रिश्ते आदि सुख और खुशी देते हैं। इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, जो स्वस्थ रहने में बहुत मददगार होती है।

बच्चों से जुड़ाव : अपने जीवन को सेहतमंद और खुशहाल बनाने के लिए बच्चों से जुड़ना भी बहुत प्रभावी होता है। बच्चे जिंदगी के मकान का बेहद अहम हिस्सा होते हैं। इनसे जुड़ेंगे तो आप रोजमर्रा के अपने दुख-दर्द भूल जाएंगे।

खेलकूद में रुचि : क्या आप अखबार में आने वाले स्पोर्ट्स पेज को पढ़ते हैं? चेस, टेनिस, क्रिकेट कोई भी खेल खेलते हैं? अगर नहीं तो आपको पता होना चाहिए कि जो लोग खेलकूद पसंद नहीं करते, वे स्वास्थ्य और खुशी की दृष्टि से दुनिया के गरीब लोगों में शुमार होते हैं। अगर आप खेलते हैं या खेलकूद की गतिविधियों में दिलचस्पी लेते हैं, तो आप जीवन के कठिन दौर में भी खुश रहने की कला सीख लेंगे।

आनंद की अनुभूति : अपनी दिनचर्या की छोटी-छोटी चीजों में आनंद ढूंढ़ने की आदत आपको बहुत खुश और स्वस्थ बना सकती है। अपने बिस्तर की नरमी, भोजन का स्वाद और सुगंध, कपड़ों के रंग और डिजाइन, नंगे पांव मिट्टी पर चलने, ऑफिस की चाय, घर से दफ्तर तक का सफर, स्नान से मिलने वाली ऊर्जा और शांति आदि सब में आनंद के पल ढूंढ़े जा सकते हैं। शुरुआत में भले कुछ असहज लगे लेकिन कुछ समय बाद आप जीवन के हर पल में आनंद महसूस करने लगेंगे।

ईश्वर में आस्था : अध्यात्म और ईश्वरीय शक्ति में आस्था सचमुच सुकून और राहत देती है। ईश्वर में आस्था आपको सकारात्मकता और ऊर्जा से भर देती है। जो लोग प्रार्थना, अध्यात्म, सुपर नेचुरल पावर आदि की ताकत महसूस करते हुए भी खुद को बुद्धिजीवी करार देने के लिए इनसे दूर रहते हैं, वे सचमुच जीवन के आनंद से महरूम रहते हैं।

अपने काम से प्यार : हम सब को जीविका के लिए कोई न कोई काम करना पड़ता है। लेकिन हममें से ज्यादातर काम को बोझ समझते हैं। जरा सोचकर देखिए कि अगर आप काम में व्यस्त नहीं रहते, हर रोज संघर्ष न करते, मन में कोई लक्ष्य न होता, किसी से कोई आशा न होती तो आपकी जिंदगी कितनी रीती और सूनी होती? यकीन नहीं होता, तो दो-तीन दिन बिना कुछ किए घर में पड़े रहकर देखें, कितना उदास और बीमार महसूस करने लगेंगे, इसलिए प्रोफेशन का आनंद उठाएं। इसे एंज्वॉय करेंगे तो कभी भी वर्क प्रेशर महसूस नहीं होगा और आप स्ट्रेस, टेंशन, एंग्जाइटी से मुक्त रहते हुए स्वस्थ जीवन जिएंगे। *

मेडिकल केयर से अधिक लाभकारी है सेल्फ केयर

यह सही है कि बीमार होने पर हमें मेडिकल केयर की जरूरत पड़ती है। लेकिन सवाल है कि हम बीमार ही क्यों पड़ते हैं? अगर हम अपनी जीवनशैली के साथ आहार में समुचित बदलाव कर लें और सेल्फ केयर करें तो मेडिकल केयर की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज

भगवान गौतम बुद्ध की उक्ति है-स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है। इसी से समझा जा सकता है कि अच्छे स्वास्थ्य का हम सभी के जीवन में कितना महत्व होता है? जिसका शरीर स्वस्थ है, वही स्वस्थ कार्य कर सकता है। इसीलिए तो हम हमेशा अपने प्रियजनों के लिए खुशी और स्वास्थ्य की कामना रखते हैं, क्योंकि कोई भी व्यक्ति बीमार होकर अपनी मेहनत की कमाई को डॉक्टर और दवाइयों पर जाया करना नहीं चाहता। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ कहलाता है, जब वह स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करे। दुर्भाग्य से आज के आधुनिक जगत की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास पर्याप्त समय ही नहीं होता कि वे अपने स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहें। इसलिए कुछ लोग स्वस्थ दिनचर्या को अपनाकर रोगों से दूर रहने की कोशिश करते हैं, किंतु उनका यह प्रयास अनेक प्रकार के सामाजिक दबाव के कारण उतना सफल नहीं हो पाता है, अंततोगत्वा निराश होकर वे अस्वस्थ जीवनशैली को अपना लेते हैं। हम यह अकसर भूल जाते हैं कि मां प्रकृति ने हमें, हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सब कुछ प्रदान किया है। जरूरत है एक स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को अपनाने की।

दवाओं पर कम करें निर्भरता: आज, दवा की गोलियां, कैप्सूल अधिकतर लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। इसकी वजह यह है कि समय की कमी और व्यस्त जीवनशैली के कारण हम हमेशा स्वयं की देखभाल यानी कि 'सेल्फ केयर' की तुलना में चिकित्सा यानी कि 'मेडिकल केयर' को अधिक पसंद करते हैं। हम जंक फूड, जरूरत से ज्यादा खाना, व्यायाम और उचित आराम न करना, भावनात्मक अस्थिरता, धूम्रपान और मद्यपान जैसी अनेक गलत आदतों के जाल में इस कदर फंसे हुए हैं कि हमें इस बात का एहसास तक नहीं होता कि इन सभी आदतों का हमारे स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। तो फिर क्यों न एक स्वस्थ जीवनशैली को अपनाया जाए? पर क्या यह इतना सरल है? जी हां! बिल्कुल सरल हैं।

जीवनशैली में करें सुधार: यदि अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए हम कुछ छोटे-मोटे परिवर्तन अपनी दिनचर्या में लाएं तो हम एक समग्र संतुलित स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मसलन, जल्दी सोना और जल्दी उठना, इस आदत को यदि हम गंभीरता से अपना लें, तो प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक हमारा दिन बहुत अच्छा बीतेगा। इसी प्रकार से सुबह को या शाम को यदि हम कुछ हल्का-फुल्का व्यायाम, जैसे कि सैर, जॉगिंग आदि को सिर्फ आधा घंटा कर लें, तो हम एक नई स्वस्थ पहल कर सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन: पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, आरोग्य का सबसे मुख्य भाग है, संतुलित आहार। जी हां! डाइटिंग के नाम पर अपने को भूखा रखना हानिकारक सिद्ध हो सकता है, इसके बजाय अपनी भोजन शैली में व्यावहरिक परिवर्तन कर सारे पौष्टिक तत्वों से भरपूर भोजन लेने के नियम का पालन करना और यदा-कदा रूप में कुछ भी खा लेने की आदत से बचना ज्यादा हितकारक है।

ध्यान का सकारात्मक प्रभाव: पिछले कुछ वर्षों में किए गए चिकित्सा अनुसंधानों के द्वारा यह तथ्य सामने आया है कि 'अध्यात्म', मानव चरित्र का एक ऐसा महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उसके भावनात्मक पक्ष को प्रभावित करता है, अतः उसकी उपेक्षा करना नुकसानकारक सिद्ध हो सकता है। इसीलिए विश्व भर के चिकित्सक आज दवाई के साथ-साथ अपने मरीजों को ध्यान (मेडिटेशन) करने की राय देते हैं, क्योंकि उनका यह स्पष्ट मानना है कि ध्यान के द्वारा मनुष्य अपने दिन-प्रतिदिन की नकारात्मकता से दूर रह सकता है और वह उनके शारीरिक स्वास्थ्य के बेहतरी में भी सहायक होगा। याद रहे! अपनी केयर खुद करें ताकि मेडिकल केयर से बचे रहें। *

पर्व-संस्कृति / डॉ. घनश्याम बादल

आगामी मंगलवार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्र और नवसंत्सर का शुभारंभ हो रहा है। इस तिथि का जितना प्राकृतिक, ज्योतिषीय और धार्मिक महत्व है, उतना ही सांस्कृतिक महत्व भी है। इससे जुड़ी पौराणिक-सांस्कृतिक महत्ता पर एक दृष्टि।

नवसंवत्सर 2081 नवारंभ का सांस्कृतिक उत्सव

हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल चैत्र प्रतिपदा से नया विक्रम संवत शुरू हो जाता है। एक बार फिर कालचक्र के परिवर्तन के साथ नववर्ष दस्तक दे रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी 9 अप्रैल मंगलवार से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ हो रहा है। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्र भी आरंभ हो रहे हैं।

ज्योतिषीय-पौराणिक मान्यताएं: ज्योतिषीय पंचांग के अनुसार नव संवत्सर 2081 का नाम क्रोधी और पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है। इसका राजा मंगल और मंत्री शनि होंगे। ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष ग्रहों के दशाधिकार में सात विभाग क्रूर ग्रहों को और तीन शुभ ग्रहों को मिले हैं। मंगल के राजा और शनि के मंत्री होने से इस वर्ष के उथल-पुथल भरा रहने की आशंका है। मान्यता है कि नए संवत्सर में ब्रह्मांड में नई व्यवस्था का गठन भी होता है। मान्यता यह भी है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ इसी तिथि से किया था। यह भी माना जाता है कि सबसे पहले सतयुग का प्रारंभ इसी तिथि यानी चैत्र प्रतिपदा से हुआ था। यह तिथि सृष्टि के कालचक्र प्रारंभ और पहला दिन भी माना जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में अथाह जलराशि में से मनु की नौका को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था। प्रलयकाल समाप्त होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई। हिंदू विक्रम संवत, अंग्रेजी कैलेंडर के वर्ष से 57 वर्ष आगे होता है। चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि से अगले 9 दिनों तक देवी दुर्गा की उपासना का महापर्व नवरात्र भी आरंभ होता है।

सांस्कृतिक धरोहर : राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक की शुरुआत इस चैत्र नवरात्र से ही होती है। महाराष्ट्र में इस दिन को गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में इसे उगादि के रूप में मनाया जाता है।

शुक्ल पक्ष से आरंभ होता नववर्ष: यह नववर्ष किसी जाति, वर्ग, देश, संप्रदाय का नहीं अपितु संपूर्ण मानवता का नववर्ष है। यह पर्व विशुद्ध रूप से भौगोलिक पर्व है, क्योंकि प्राकृतिक दृष्टि से भी इस दौरान वनस्पतियों, फूलों और पत्तियों में भी नयापन दिखाई देता है। हिंदू कैलेंडर में कुल 12 माह होते हैं- चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, अश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन। हिंदू कैलेंडर के सभी महीने नक्षत्र के नाम पर रखे गए हैं। पूर्णिमा तिथि पर जो नक्षत्र रहता है, उसी नक्षत्र के नाम पर हिंदी महीनों के नाम रखे गए हैं। जैस चैत्र का महीना चित्रा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, इसी प्रकार वैशाख, विशाखा के नाम पर, ज्येष्ठ, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। एक प्रश्न यह उठता है कि चैत्र महीना हिंदू नववर्ष का पहला महीना होता है, जो होली के बाद शुरू हो जाता है। यानी फाल्गुन पूर्णिमा तिथि के बाद चैत्र कृष्ण प्रतिपदा लग जाती है फिर भी उसके 15 दिन बाद नया हिंदू नववर्ष क्यों मनाया जाता है? इसका उत्तर यह है कि हिंदू पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष, पूर्णिमा से अमावस्या तिथि के 15 दिनों तक रहता है और कृष्ण पक्ष के इन 15 दिनों में चंद्रमा धीरे-धीरे लगातार घटने के कारण पूरे आकाश में अंधेरा छाने लगता है। सनातन धर्म का आधार हमेशा अंधेरे से उजाले की तरफ बढ़ने का रहा है यानी 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। इसी वजह से चैत्र माह के लगने के 15 दिन बाद जब शुक्ल पक्ष लगता है तभी प्रतिपदा तिथि से हिंदू नववर्ष मनाया जाता है। अमावस्या के अगले दिन शुक्ल पक्ष लगने से चंद्रमा हर एक दिन बढ़ता जाता है, जिससे कालक्रम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ता है।

क्या है प्रतिपदा: हिंदू पंचांग की प्रथम तिथि प्रतिपदा कही जाती है। यह तिथि मास में दो बार आती है पूर्णिमा के पश्चात और अमावस्या के पश्चात। पूर्णिमा के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा और अमावस्या के पश्चात आने वाली प्रतिपदा को शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा कहा जाता है। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से चंद्रमा पूर्णता की ओर बढ़ता है, अतः इसे प्रतिपदा कहते हैं। शुक्ल पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 0 से 12 डिग्री तक होता है, जबकि कृष्ण पक्ष में सूर्य और चंद्र का अंतर 181 से 192 डिग्री तक होता है, तब प्रतिपदा तिथि होती है। कृष्ण प्रतिपदा को चंद्रमा की प्रथम कला होती है। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा में चंद्रमा अस्त रहता है। कृष्ण पक्ष प्रतिपदा में स्थिति एकदम विपरीत होती है। कृष्ण प्रतिपदा में चंद्र अपने ह्रास की ओर बढ़ता है। अतः कह सकते हैं कि हिंदू संस्कृति में नया वर्ष आनंददायक भाव के साथ शुरू किया जाता है। *

शुभकामना गीत / शिवचरण चौहान

नव संवत्सर मंगलमय हो !

भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमारी।
नए वर्ष की शुभ तिथि प्यारी।।
भारत की सर्वत्र विजय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
ऋतु बसंत पावन, मनभावन।
चैत्र मास नव मास सुहावन।।
महाराज विक्रम की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।
पूरित शस्य धरा अति पावन।
नव पल्लव फल-फूल सुहावन।।
ग्रह नक्षत्र शुभ मंगलमय हो।
भारत के जन-जन की जय हो।
नव संवत्सर मंगलमय हो।।

कहानी
रेखा शाह आरबी

लाल गमछा

रामदीन रोज रेल की पटरियों के किनारे वाले जंगल में अपनी बकरियां चराने ले जाता था। यहां बड़ी-बड़ी और मुलायम घास बकरियों को आसानी से उपलब्ध हो जाती थी। रामदीन पढ़ा-लिखा नहीं था। बचपन में मात्र चार-पांच दिन ही स्कूल गया था। उसका स्कूल में मन नहीं लगा तो स्कूल जाना छोड़ दिया। उसने घर में अपनी बकरियों को चराने की जिम्मेदारी ले ली।

उस दिन बकरियां जंगल में घास चर रही थीं। रामदीन कोई गीत गुनगुनाते हुए पटरियों के किनारे टहल रहा था। अचानक उसकी नजर रेल की टूटी पटरी पर पड़ी। वह चौंका, 'हे भगवान! यहां तो रेल की पटरी टूटी हुई है। रेल आएगी तो दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगी।'

रामदीन ने सोचा गांव जाकर लोगों को खबर करे, लेकिन गांव दूर था। दोपहर बाद शाम शुरू होते ही आने वाली ट्रेन का टाइम हो रहा था। वह सोच में पड़ गया, यदि ट्रेन आ गई तो भयंकर दुर्घटना हो जाएगी। ना जाने कितनी जानें चली जाएंगी, कितने लोग हताहत हो जाएंगे। दोपहर खत्म हो रही थी। ठीक इसी समय ट्रेन आती थी, रामदीन को पता था। क्योंकि रोज वह बकरियों को चराकर इसी समय अपने गांव की ओर वापस लौटता था। वह जाती हुई उस ट्रेन के यात्रियों को हाथ हिलाकर अभिवादन करता था। यात्री भी उसे इस तरह हाथ हिलाते देखकर मुस्कुराते हुए अपने हाथ हिलाकर उसके अभिवादन का जवाब देते थे।

रामदीन का दिमाग सुन्न हो रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था, करे तो क्या करे? कैसे ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाए? उसे अचानक याद आया, जब वह बचपन में चार-पांच दिन के लिए स्कूल गया था तो मास्टर जी ने बच्चों को बताया था कि यदि आपातकाल में कभी ट्रेन रुकवानी पड़े तो तुम किसी भी लाल रंग के कपड़े को ट्रेन के ड्राइवर को दिखाओ, ड्राइवर ट्रेन रोक देगा, क्योंकि लाल रंग खतरे का प्रतीक होता है। ड्राइवर समझ जाएगा कि आगे कहीं कुछ खतरा है, इसलिए ट्रेन रुकने का इशारा किया जा रहा है।

रामदीन ने अपने कपड़े देखे। उसने देखा, गले में लाल रंग का गमछा पड़ा हुआ है। उसने अपने डंडे में गमछे के दोनों सिरों को बांधा और पटरी के पास खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसे दूर से ट्रेन के आने की आवाज सुनाई दी। वह डंडे में बंधे लाल गमछे को हिलाते हुए ट्रेन की दिशा में दौड़ पड़ा।

ड्राइवर ने दूर से ही देख लिया था, एक व्यक्ति लाल रंग का कपड़ा लहराते हुए ट्रेन की तरफ आ रहा है। वह समझ गया कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है, उसने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकने के बाद ड्राइवर, गार्ड, टीटी और कुछ यात्री उतर कर रामदीन के पास आए। उसने सबको ट्रेन की टूटी पटरी दिखाई। टूटी पटरी देखकर लोग दंग रह गए। ड्राइवर बोला, 'आपने एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से बचाई है, लोगों की जान बचाई है।'

तुरंत स्टेशन से इंजीनियरों की टीम बुलाकर पटरियों की मरम्मत करवाई गई। ट्रेन जब अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो टीटी, ड्राइवर, गार्ड और यात्रियों ने हाथ हिलाकर रामदीन के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

शाम होते ही रामदीन अपनी बकरियों को लेकर घर आ गया। रात को जब रामदीन अपनी खाट पर सोने के लिए लेटा तो सोच रहा था- 'मैं जब चार-पांच दिन स्कूल गया तो मुझे इतना ज्ञान मिल गया कि एक ट्रेन के कितने सारे लोगों की जान बचा ली। अगर लंबे समय तक शिक्षा ग्रहण की होती तो मैं ना जाने कितने और बड़े-बड़े काम करने के लिए समक्ष हो जाता।'

उसी रात रामदीन ने मन ही मन संकल्प लिया कि वह तो अनपढ़ रह गया, लेकिन अपने बच्चों को अनपढ़ नहीं रहने देगा। जल्द ही अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला कराएगा। *

खरी-खरी / अशोक अंजुम

चुनावी मौसम में

बेईमानी, झूठ के सब कारखाने चल पड़े।
लो सभी नेता स्वयं को आजमाने चल पड़े।
जो सदा करते रहे बातें उजालों की यहां,
वे तिमिर के वंशजों के गीत गाने चल पड़े।
आ गया मतदान का मौसम, 'रे पंछी जाग जा'
फिर शिकारी वायदों के लेके दाने चल पड़े।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-
- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

25 लाख के इनामी समेत तीन नक्सली ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सरहद पर शनिवार को फिर एक बार पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी नक्सली सहित 3 नक्सलियों को सुरक्षाबलों के जवानों ने ढेर कर दिया। एसपी बीजापुर जितेन्द्र यादव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिले के उसूर ब्लाक के पुजारी कांकेर एवं नंबी के करीगुट्टा पहाड़ियों और जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में 3 नक्सली मारे गए है। इस नक्सल ऑपरेशन में ग्रे-हॉउन्ड और छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया था।

घटना स्थल से आधुनिक हथियार बरामद

जवानों ने जब मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग की, तो उन्हें 3 वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद हुए। इसके अलावा एके 47 और एलएमजी जैसे आधुनिक हथियार भी बरामद हुए है। वहीं जवान लगातार क्षेत्र में सर्चिंग जारी रखे हुए है।

4 दिन पूर्व 13 नक्सलियों को किया था ढेर

4 दिन पहले जवानों ने 3 दिन तक सर्च ऑपरेशन चलाकर गंगालूर थाना क्षेत्र के कोरचोली और लेंड्रा के जंगलों में 13 नक्सलियों को ढेर करने में बड़ी सफलता हासिल की थी। उनके पास से भी आधुनिक हथियार बरामद हुए थे।

मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए दंतेवाड़ा जिला सहित सरहदी क्षेत्रों में पुलिस के आला अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है।

दंतेवाड़ा से 4 अप्रैल को थाना किरन्दुल क्षेत्रान्तर्गत पुरंगेल, बड़ेपल्ली, डोडी तुमनार, गमपुर के जंगल में सशस्त्र नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स दंतेवाड़ा तथा सीआरपीएफ 231 बटालियन की यंग प्लाटून की संयुक्त टीम नक्सल गश्त सर्चिंग अभियान पर निकली थी। नक्सल गश्त सर्च अभियान के दौरान थाना किरंदुल अंतर्गत पुरंगेल, बड़ेपल्ली, डोडी तुमनार व गमपुर के जंगल पहाड़ी के बीच पूर्व से ऐम्बुश लगाकर बैठे नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी पर अवैध हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू किया गया। पुलिस बल द्वारा सुरक्षित आड़ लेकर नक्सलियों पर जवाबी फायरिंग कार्यवाही की गई। जिसमें पुलिस पार्टी को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल झाड़ी की आड़ लेकर भाग खड़े हुए। पुलिस पार्टी के द्वारा सर्च करने पर मौके पर एक पुरुष नक्सली का शव बरामद हुआ है।

ध्वनि प्रदूषण रोकने शासन जवाब नहीं दे सका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए नॉइज मीटर (ध्वनि सीमक यंत्र) का इस्तेमाल अनिवार्य करने हाईकोर्ट ने इस संबन्ध में की जा रही कार्रवाई की जानकारी मांगी थी। शासन की ओर से इस संबन्ध में स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकी। कोर्ट ने पूरी जानकारी देने के लिए 6 सप्ताह का समय दिया है। गौरतलब है कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए सभी जिलों के थानों को नॉइज मीटर दिए गए हैं। इसके जरिए पुलिस ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच कर सकेगी। पिछली सुनवाई के दौरान इन यंत्रों को डीजे और अन्य साउंड सिस्टम में लगाने के उपायों पर कोर्ट ने सवाल पूछे थे। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने डीजे और साउंड सिस्टम की तेज आवाज पर एतराज जताते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान शासन से पूछा कि, ध्वनि प्रदूषण रोकने के आदेश के पालन में क्या प्रयास किए गए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने भी जनहित याचिका के साथ हस्तक्षेप याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया है कि शासन ने 4 नवंबर 2019 को ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए साउंड लिमिटर लगाना अनिवार्य किया था, पर इसका पालन नहीं हो रहा।

कलेक्टर ने जारी किया है आदेश

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने आदेश जारी किया है कि ध्वनि उत्पन्न करने वाले उपकरणों में ध्वनि सीमक यंत्र लगाना अनिवार्य है। ध्वनि सीमक यंत्र के बगैर कोई दुकानदार किराए पर ध्वनि उपकरणों को नहीं दे सकेगा। खरीदी बिक्री सहित तमाम स्थापना पर ध्वनि सीमक यंत्र लगाना जरूरी होगा। कलेक्टर ने हाईकोर्ट के आदेश के परिपालन में ध्वनि प्रदूषण के रोकथाम के लिए इस आशय का आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने आदेश में यह भी कहा कि सभी अनुज्ञा देने वाले प्रभारी अधिकारी जिसमें पुलिस अधिकारी, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत एवं पंचायत सम्मिलित है, यह सुनिश्चित करें कि ध्वनि सीमक यंत्र के बिना कोई भी ध्वनि प्रणाली एवं लोक संबोधन प्रणाली शासकीय एवं गैर शासकीय कार्यक्रमों में स्थापित नहीं किए जाए एवं किराए पर भी नहीं लगाए जाएं।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

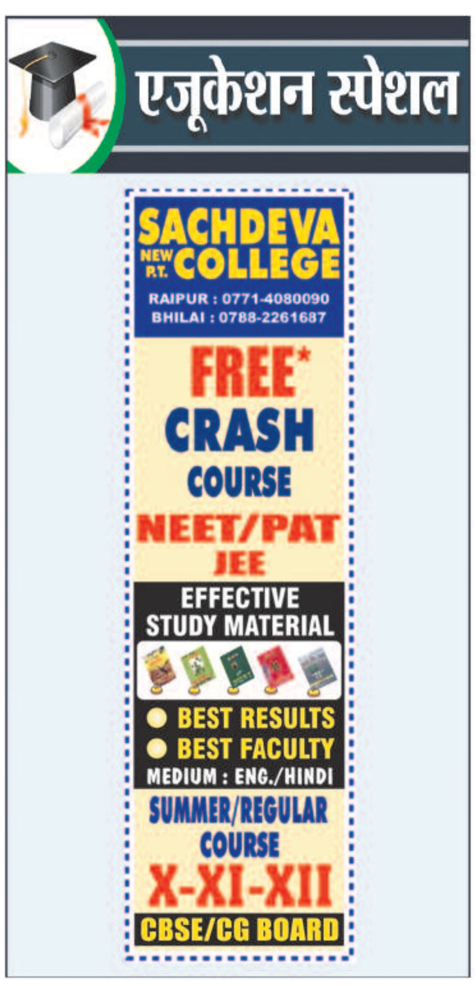

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायपुर लिमिटेड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 MO. 8109070600, 7869230888.(RO-1174)

आवश्यकता है- रोहित मेहता सिक्योरिटी एजेंसी भूत पूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड के लिए DGR रेट पर IOCL कोरबा में संपर्क करें:- 6280606010. (RO-2644)

वेल्डर/फिटर/हेल्पर

आवश्यकता है- ऑल छत्तीसगढ़ ऑफिस कार्य, वेल्डर, कटर, फिटर, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी, गार्ड, स्टोर कीपर, सुपरवाइजर, इंजीनियर, सभी 5वीं से ग्रेजुएट वेतन 12000- 40000/- परमानेंट कंपनी हेतु मेडिकल +रहना फ्री व्यापार विहार बिलासपुर. 9111965184.(RO-2610)

शिक्षाकर्मी

आवश्यकता है- श्री कृष्णा हिंदी/ इंग्लिश स्कूल चंडी अभनपुर में प्री- प्राइमरी से मिडिल क्लास हेतु इंग्लिश मीडियम टीचर की आवश्यकता है तथा हिंदी मीडियम में गणित, वाणिज्य, अंग्रेजी, रसायन, अर्थशास्त्र एवं कंप्यूटर टीचर की आवश्यकता है. योग्यता- संबंधित विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर/ बी.एड., आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - 14/06/2024 संपर्क सूत्र- 9926125257, 9893534338. (RO-1175)

छोटा विज्ञापन

ऑफिस असिस्टेंट

Requirment- WANTED OFFICE ASSISTANT (FEMALE) POST-01, 12TH+ COMPUTER KNOWLEDGE EXCELLENT INSTITUTE OF FIRE SAFETY C/O SAROSWATI SHISHU MANDIR SECTOR-4, WALK INTERVIWE 8/4/2024 TIME-10AM TO 1PM CONTACT MO.- 79990-42674,78797-63600.(आरो न.-443)

घरेलु/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य, ऑफिस में टेली कॉलिंग, कंप्यूटर कार्य, पार्लर, घर बैठे मार्केटिंग हेतु फीमेल चाहिये टाइम 9-7 पार्ट/फुल टाइम खाना +रहना फ्री सैलरी 5000 /10000 अरिहंत कॉम्प्लेक्स नियर रेल्वे स्टेशन रायपुर मोबाइल- 90393-21951. (RO-2647)

ऑफिस/लाइजिनिंग

आवश्यकता है- ऑफिस एवम लाइजिनिंग कार्य हेतु। योग्यता- स्नातक पास (जिसे अंग्रेजी एवम कम्प्यूटर का ज्ञान हो) 2-3 वर्ष के अनुभवी को प्राथमिकता, संपर्क करें:- प्रबोध एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 16/1, गीतानगर, चौबेकालोनी, रायपुर (छ. ग.), मोबाइल 6266288215, 8109923127. (RO-301)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

पैकिंग कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- सियेन्डफ दवाई डूमरतराई ऑफिस में पैकिंग कार्य हेतु मेहनती लड़को की जरूरत है। एंव TATA-S छोटा हाथी हेतु अनुभवी हेल्पर एंव ड्राइव्हरों की जरूरत है। संपर्क मों नं. - 8959884849.(RO-1178)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूल चौक जोरा पारा, कालीमाता मंदिर के पास रायपुर 98271-14645. (RO-2637)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में लेडिस कपड़े की सिलाई हेतु महिला टेलर की आवश्यकता है। बायोडाटा के साथ संपर्क करें। पता: सुरम्य फैब्रिक्स, गुरुद्वारे के सामने, कटोरा तालाब, रायपुर। मो.: 8767454277 (RO-4287)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। बायोडाटा के साथ संपर्क करें। पता: सुरम्य फैब्रिक्स, गुरुद्वारे के सामने, कटोरा तालाब, रायपुर। मो.: 8767454277. (RO-4290)

आवश्यकता

आवश्यकता है- किताबों के बण्डल बांधने हेतु 12वी पास मेहनती लड़कों की 1 अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्क करे:- 11:00 से 1:00 बजे। नवबोध प्रकाशन, 7, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के सामने, रायपुर (छ.ग.) सम्पर्क:- 0771-4200932. (RO-141)

आवश्यकता है- हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं , 8/10/12 वी फेल लड़के / लड़कियां ना हो निराश मेडिहब्स होम हेल्थ केयर से जुड़ कर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह + रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें ऑफिस रायपुर : 7772011223. (RO-3919)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- मैसर्स शारदाप्रसादसाव पेट्रोल पंप रानी अवन्तिबाई चौक कोहका रोड भिलाई में डीजल पेट्रोल डालने कार्य हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। मो.- 99261-23539, 83191-53895.(आरो न.-6326)

ड्रायवर/कुक

आवश्यकता है- एम्बुलेंस ड्राइवर-2, हास्पिटल में खाना बनाने हेतु कुक, आयाबाई 4, चौकीदार, माली की आवश्यकता है रहने की सुविधा, संपर्क:- बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर फोन- 0771-2425009. (RO-2632)

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर की प्रतिष्ठित मेडिकल सीएंडएफ जो पिछले 35 वर्षो से नामी ब्रांड प्रोडक्टस की डिस्ट्रीब्यूटर है, को निम्न पदों की आवश्यकता है:- (1.)ड्राइवर :-1 (2.)गोडाउन कार्य हेतु मेहनती युवकों की। सर्वश्रेष्ठ सैलरी पैकेज संपर्क: 9425542077, 9669426111. (RO-241)

ऑफिस/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- बैक ऑफिस एक्जेक्यूटिव – 2पोस्ट (महिला) उम्र 40+ को प्राथमिकता, (कम्प्यूटर ज्ञान अनिवार्य), सुपरवाईजर – 3 पोस्ट (फेब्रिकेशन) एवं ड्रॉईंग फिटर –1 पोस्ट, वेतन योग्यतानुसार। संपर्क – छावनी चौक, ईण्डस्ट्रीयल एरिया, भिलाई व्हाट्स एप - 9981374711.(आरो न.-446)

आवश्यकता है- रायपुर सेजबहार तालाब में मछली पालन हेतु अनुभवी सुपरवाइजर की आवश्यकता है। संपर्क करे- अनुराग दत्ता- 7587323876. (RO-1442)

सेल्स

आवश्यकता है- नागपुर की प्रतिष्ठित (आयुर्वेदिक) कंपनी में काम करने हेतु सेल्स पर्सन की आवश्यकता है, हेडक्वार्टर रायपुर रहेगा. आकर्षक सैलरी एवं एक्सपेंस देय होगा। संपर्क करे मोबाइल- 9993588599, 7225994464. (RO-2638)

टैली ऑपरेटर

आवश्यकता है- आवश्यकता है CCTV इंस्टॉलेशन एवं फिटिंग और टैली ऑपरेटर हेतु युवक की वेतन 8000 से 15000 संपर्क करें- SAHU CCTV मोबाइल 9302933334, 9302733334. Experience and Freser can be Apply(RO-3954)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैंटीन में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने एवं बर्तन धोने लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा। पता- बिलासपुर 9993334937, 8871824812. (RO-33558)

कैंटीन स्टाफ

आवश्यकता है- नया राजेंद्र नगर रायपुर (छत्तीसगढ़) हॉस्पिटल के कैंटीन हेतु स्टाफ चाहिए संपर्क जैन रसोईघर व कैटरर्स श्री कृष्णा हॉस्पिटल न्यू राजेंद्र नगर (तपेश जैन भंसाली) 9425559771. (RO-2646)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ऑफिस बॉय/मार्केटिंग

आवश्यकता है- ट्रेडर्स एवं कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है, ऑफिस ब्वॉय एवं सेल्स मार्केटिंग के लिए एवं ट्रेक्टर ड्राईवर की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार भाठागांव रायपुर संपर्क करें Mob. 9827114308. (RO-2641)

कुक

आवश्यकता है- कुक घरेलू अनुभवी सिनियर महिला-2 सभी तरह का अच्छा खाना बनाना आता हो घरेलू, आफिस काम हेतु, रहने हेतू रूम उपलब्ध परिवार के लिये भी काम टाटीबंध रायपुर में तुरंत मिलें मो.नं. 6266919192. (RO-2631)

हेल्पर/ड्रायवर

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी- 6000/-, हेल्पर- 6000/-, ड्राइवर- 10000/- रहना खाना फ्री। तुरन्त संपर्क करें- देवादा हॉस्पिटल (राजनांदगांव) मो.- 7970259986, 8770173814.(आरो न.-6060)

शॉपिंग बाजार

आवश्यकता है- VPS किराना सुपर बाज़ार .भाठागाँव रायपुर में काम करने हेतु दस अनुभवी युवक युवती और एक गार्ड कर्मचारियों की आवश्यकता है कृपया अपने अपने आधार कार्ड फोटो और परिचय पत्र के साथ . VPS पते में आकर संपर्क करें , पता . VPS SUPER BAZAR . VPS पता , पूजा ज्वेलर्स के ठीक सामने भाठागाँव रायपुर . 8109 199 199. (RO-M)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर शंकर नगर वीआईपी कॉलोनी में घरेलू काम के लिए एक बाई महिला की और ऑफिस कार्य हेतु एक मुनीम की आवश्यकता है रहने की जगह उपलब्ध है। संपर्क करें 9425205358. (RO-01)

पैकिंग/लेबर कार्य

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की जरूरत है। संपर्क करें एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो . 7469980000, 07714075490.(RO-1173)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18-28 वर्ष के 10-12वी, स्नातक, अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000+ रहना+ खाना+ ट्रैवल+ ट्रेनिंग फ्री, ट्रेनिंग पश्चात 20000 से 25000 सम्पर्क करें- 8871422576, 7224999156. (RO-33612)

सेल्समेन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु सेल्समेन 7, सेल्सगर्ल 3, कम्प्यूटर ऑपरेटर 1, ड्राईवर 1 सभी रायपुर लोकल अनिवार्य, वेतन 6000- 20000/- + कमीशन अनुभवी को प्राथमिकता, विरदीचंद मानकलाल कंकालीपारा संपर्क समय 10.30 - 9.30, मो.,9425522577, 9425522576 (RO-2624)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9300629026, 9300129026. (RO-1446)

फील्ड कार्य

आवश्यकता है- फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम 10वी 12वी पास लड़को की आवश्कता है। प्रत्येक जिले में 01 पोस्ट है,सैलरी 10000 +बोनस 5000 +रहना फ्री(जॉब सिक्यूरिटी डिपोसिट अनिवार्य है) संपर्क - पीतम्बर 6268346636.(आरो न.-6061)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 8602908677, 7477221345, बिलासपुर 9993444253, 8359913999, रायगढ़- 7869755871.(RO-2586)

टॉवर

टॉवर लगवाए- (Daimend ऑफर) छत्तीसगढ़ वासियों अपनी खाली जमीन छत प्लॉट पर 4G /5G टावर लगवाये एडवांस 70,00,000/- किराया 60,000/- 2 नौकरी सरकार द्वारा रेजिस्ट्रेट कंपनी संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 06397308856, 7668628202. (RO-2640)

Property प्रापर्टी

भूमि

भूमि बेचना है- फार्म हाऊस के लिए प्लॉट उपलब्ध है। भिलाई- दुर्ग से नज़दीक बिरेझर में 11000 sqft. के साइज में फ्रेश कटिंग प्लॉट मात्र 111/- रू. psqft. मो. न. 9827423470(आरो न.-440)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मकान

मकान- मकान शीघ्र बेचना हैं 460 स्क्वायर फिट 11.30×40 रेल्वे स्टेशन से मात्र 1 किलोमीटर की दूरी पर रामसागर पारा रायपुर (छत्तीसगढ़) मो. 7470458514, 8839967915 दलाल भी संपर्क करें (RO-2633)

मकान बेचना है- चांगोराभाटा मे 750 वर्गफुट 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ स्वतंत्र नया मकान एव रायपुरा सत्यम विहार कॉलोनी 1100 फुट प्लॉट बेचना है संपर्क:- 9300505421, 9993451070. (RO-2643)

जमीन

जमीन बेचना है- इंडस्ट्री हेतु दो साइड रोड फेंसिंग 16000 वर्गफीट जमीन इंडस्ट्रियल एरिया बोरई दुर्ग (छग) में बेचना है संपर्क : 9406298602, 9425558019, 9755494941, 7587094863.(आरो न.-445)

प्लाट

बेचना है- रिसाली से हनोदा चौक से पहले 6 लाईन के पास प्राइम लोकेशन 5092 वर्गफिट कमर्शियल डाइवर्टेड प्लॉट ऑन रोड बेचना है संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9301371131. (RO-2645)

बेचना है- पाहांदा रोड Aks Smart City मे 1100 वर्गफुट प्लॉट लेआउट एप्रुड, नक्शा पास, टी एंड सी किया हुआ सर्व सुविधा युक्त प्लॉट बेचना है संपर्क करे:- 9981209310. (RO-2648)

हरिभूमि क्लासीफाईड

विला/प्लाट

बेचना है- अवन्ती विहार में सेमी कमर्शियल 2400 वर्गफीट में 5BHK डुप्लेक्स विला एवं गुढियारी अम्बेडकर चौक के पास 1800 फीट प्लॉट रेसिडेंशियल, गोडाउन हेतु अतिउत्तम शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 8964000025.(RO-33633)

बेचना है- रायपुर खिलौरा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास स्वर्ण सिटी मे 1250 वर्गफुट प्लॉट लेआउट एप्रुड, नक्शा पास, टी एंड सी किया हुआ सर्व सुविधा युक्त प्लॉट बेचना है संपर्क करे:- 7440331175. (RO-2649)

खेत

खेत बेचना है- पथरिया चौक के पास 3.75 एकड़, 900 का फ्रन्ट, नगपुरा चौक के पास 10 एकड़ डबल रोड नगपुरा जालबंधा मेन रोड के पिछे 1 एकड़ कलड़बरी चौक के पास 6.50 एकड़ बेचना है। संपर्क करें:-अजय पाण्डेय मो.- 93290-21207.(आरो न.-444)

Education शिक्षण

मेडिकल प्रवेश- 12वीं पास (बायो) विद्यार्थियों व जनरल प्रैक्टिशनल चिकित्सको के लिए छत्तीसगढ़ नर्सिंग एक्ट के तहत पंजीयन व छत्तीसगढ़ शासन में पंजीयन के लिए मान्यता प्राप्त कोर्स में प्रवेश प्रारंभ है संपर्क करें:- संजीवनी कॉलेज ओमपरिसर, आर्यनगर दुर्ग (छ.ग.) 0788-4060006, 9893579048.(आरो न.-6059)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
35 वर्षीय ईसाई (प्रोटेस्टेंट), पीएचडी कॉलेज में कार्यरत सुन्दर कन्या हेतु वर चाहिए
संपर्क करें 9425214833

वर चाहिए-जाति बंधन नहीं उम्र 45वर्ष 07/07/1979 हाईट 5'-1'' एमकॉम, बीए, पीजी, 80 एकड़ जमीन हॉस्पिटल सालाना आय 70लाख अनमैरिड महिला संस्कारी सुशील सभी जाति मान्य जरूरतमंद कॉल करें 9179472796, 7440917990 (33626)

वर चाहिए-29वर्ष, 5फुट 1इंच, रंग- गोरा, राशि- धनु, गण- देबारी, कास्ट- बंगाली, गोत्र कश्यप (namahsudra) शिक्षा बीकॉम हेतु वर चाहिए। छ.ग. को प्राथमिकता मैरिज ब्यूरो क्षमा करें सम्पर्क करें - 7587223711 (442)

वधु चाहिये- कर्मकार बंगाली कश्यप गोत्र शॉर्ट डिवॉर्स 32+ वर्ष 5"11" मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव रायपुर निवासी स्वंय का घर, हेतु वधु चाहिये सभी सामान्य जाति मान्य मैरिज ब्यूरो क्षमा। मों.नं.- 9893188093.(RO-507)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

हरिभूमि क्लासीफाईड

जैकेट के शेष

शेष रह गए ....

नहीं फैलती अगर समय रहते गोदाम में मौजूद सुरक्षा कर्मी मुस्तैदी दिखाते हुए इसे बुझाने का प्रयास करते या फिर समय रहते इसकी सूचना दमकल विभाग को देते।

करोड़ों के ट्रांसफार्मर, ऑइल से भरे ड्रम, दफ्तर, शेड के अलावा कई पेड़ तक जल गए : गोदाम में लगी भीषण आग से गोदाम में रखे करोड़ों के जहां ट्रांसफार्मर, ऑईल से भरे ड्रम सहित अन्य बिजली के उपकरण जल गए है, वहीं दफ्तर, चबुतरा-शेड, बिजली खंभों की वायर से लेकर गोदाम में लगे पीपल, आम, नीम आदि के करीब 8-10 हरेभरे पेड़ भी जल गए। कई बिजली खंभे तो आग की तपस से गरम होकर मुड़ गए हैं। यहीं नहीं आग से गोदाम के अंदर दफ्तरों की दीवारों से लेकर बाउंड्रीवाल की दीवारों भी कई जगहों से तड़क गई है।

कई घरों पर असर, पानी टंकी पिघली, टूटे खिड़की के कांच, कपड़े व प्लास्टिक पाइप जले: गोदाम में लगी आग की लपटों का असर गोदाम की बाउंड्रीवाल से लगे कृष्णा नगर मोहल्ले के घरों पर भी पड़ा। आग की लपटों की तपस इतनी ज्यादा थी कि इस मोहल्ले में रहने वाले करीब 40 घरों की पानी टंकी और प्लास्टिक के लगे पाईप पिघल गए, वहीं कई घरों के खिड़की के कांच टूट गए तो कई घरों में छत पर सुख रहे कपड़े तक जल गए। कुछ घरों की दीवारें पर दरारें भी पड़ गई है।

आग बुझाने इन शहरों से पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियां : ट्रांसफार्मर यार्ड में लगी आग ते बेकाबू होने की स्थिति में आग को काबू करने रायपुर फायर ब्रिगेड, स्थानीय उद्योगों के अलावा दुर्ग, भिलाई स्टील प्लांट, एयरपोर्ट के साथ ही बलौदाबाजार, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, तथा सीपत से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई थी। तब कहीं जाकर देर रात दो से ढाई बजे के करीब आग पर काबू पाया जा सका। आग पर काबू पाने के बाद दूसरे दिन दोपहर डेढ़ बजे तक कुलिंग करने का काम जारी रही।

प्रत्यक्षदर्शी का कहना : प्रत्यक्षदर्शी व स्थानीय निवासी राहुल राज ने हरिभूमि को बताया कि दोपहर करीब 12.30 बजे उसने गोदाम के आखरी कोने के पास बिजली खंभे से गुजरी वायर से चिंगारी निकलते हुए देखा। यह चिंगारी करीब 5 मिनट तक निकलते रही। इसके बाद वायर में आ लग गई, जिसके बाद वायर टूटकर गोदाम में रखे ट्रांसफार्मर पर जा गिरी। इस घटना के करीब धीरे-धीरे आगे फैलते गई और करीब एक घंटे के बाद आग पूरे गोदाम में फैल गई।

आग बुझाने कोई इंतजाम नहीं, सुरक्षा की भी कमी : सब स्टेशन के गोदाम करीब 8 एकड़ में फैला हुआ है। इस पूरे इलाके में बिजली विभाग के दफ्तर को छोड़कर खुली जगहों पर विभिन्न साईज के ट्रांसफार्मर, ऑइल से भरे छोटे-बड़े ड्रम सहित हजारों-लाखों की तादात में कई तरह के बिजली ट्रांसफार्मर से संबंधित उपकरण रखे हुए थे। इसके बावजूद इस गोदाम में आगजनी जैसी घटना की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए थे। स्थानीय लोगों ने बातचीत के दौरान बताया कि करोड़ों का जहां बिजली उपकरण रखे हुए है, ऐसी जगह पर आग बुझाने के लिए बोर तक की व्यवस्था नहीं है, जबकि गोदाम में कम से कम 4 से 8 बोर होना चाहिए। इधर कुछ बिजली कर्मचारियों ने बताया कि बोर किए गए है, लेकिन इसका इस्तेमाल कभी नहीं हो पाया है। इसलिए इनमें से कितने चालू है इसकी जानकारी नहीं है।

घटना की जांच ....

अभियंता डीडी चौधरी शामिल है। यह टीम आग लगने का कारण, दुर्घटना के लिए अधिकारी-कर्मचारी व एजेंसी कौन जिम्मेदार है। घटना से हुए वित्तीय एवं भौतिक नुकसान का आंकलन करने के साथ भंडार गृह के संचालन का वैकल्पिक व्यवस्था तथा भविष्य में इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए सुझाव देगी।

प्रशासन ने मुआवजा ...

बने करीब 3 साल ही हुए है। पानी टंकी 6 लेयर की है, जबकि नई टंकी 3 व 4 लेयर की लगाई जा रही है।

पेज एक के शेष

अब की बार...

रहेंगे लेकिन लोकसभा चुनाव में 400 सीटें नहीं मिलेंगी। विद्वानों ने सोनिया गांधी व राहुल गांधी का संघर्ष आगे भी जारी रहने की बात कही। साथ ही लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश व देश में सीएम विष्णु देव साय का कद बढ़ने का भी दावा किया। प्रस्तुत है विद्वानों द्वारा दिए गए तर्क के अंश...।

तापमान बढ़ेगा आगजनी होगी : ज्योतिषाचार्य ओम नारायण तिवारी ने बताया कि प्रश्न कुंडली के हिसाब से छत्तीसगढ़ में मौसम के लिहाज से तापमान बढ़ेगा। तूफान और आगजनी की घटनाएं ज्यादा होंगी। राज्य का मालिक वृषभ राशि के जातक हैं। वहीं बीजेपी का राशि स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से केन्द्र व राज्य में बीजेपी की स्थिर सरकार रहेगी।

बाहर टेम्परेचर 41 डिग्री...

गया। वहीं इंजन का पारा सारे रिकॉर्ड तोड़ता हुआ 48 डिग्री तक जा पहुंचा। आलम यह है कि लोको पायलट हर दिन 5 से 7 लीटर पानी पी रहे हैं। फिर भी प्यास नहीं बूझ रहा है। इतनी गर्मी में सामान्य व्यक्ति पांच मिनट भी इंजन में खड़ा नहीं हो सकता। वहीं लोको पायलट बगैर पंखे और एसी के लगातार 8 से 9 घंटे रेल चलाकर लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। पैसेजर लोको पायलट एम. पांडेय बताते हैं कि दोपहर के वक्त इंजन बेहद गर्म हो जाता है। जोन और मंडल से गुजरने वाली 150 से अधिक इंजनों में अब भी एसी नहीं लगा है। केवल नए इंजन में एसी की सुविधा है।

मई में 50 डिग्री पहुंच जाता है तापमान : लोको पायलटों ने बताया कि सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक गर्म हवा के थपेड़ों की वजह से इंजन बेहद गर्म हो जाता है। मशीनें चालू होने से इंजन के अंदर का तापमान और अधिक हो जाता है। विद्युत और डीजल इंजन की बॉडी लोहे की होने से तापमान बढ़ जाता है। यह कई बार 50 डिग्री से अधिक भी हो जाता है। रेलवे के अनुसार ट्रेनों में एसी ना लगाने की एक वजह यह भी है कि कहीं लोको पायलटों को नींद ना आ जाए। ऐसे में हादसा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोको पायलट कहते हैं कि कार में भी एसी होता है।

राशिफल

मेष – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष – मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन – व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क – परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला – वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु – क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर – व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन – मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सहारनपुर में बोले प्रधानमंत्री मोदी- कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप

एजेंसी ▶▶| सहारनपुर

कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गया, उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। कांग्रेस इसमें दूर-दूर तक दिखाई नहीं देती है।

■ कांग्रेस के घोषणा पत्र पर पीएम मोदी का करारा प्रहार

कांग्रेस के पास न देशहित की नीतियां, न दृष्टि

प्रधानमंत्री मोदी ने सहारनपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस तो दशकों पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब जो कांग्रेस बची है, उसके पास न देशहित में नीतियां हैं और न ही राष्ट्रनिर्माण की दृष्टि। कल कांग्रेस ने जिस तरह का घोषणा पत्र जारी किया है, उससे साबित हो गया है कि आज की कांग्रेस, आज के भारत की आशाओं-आकांक्षाओं से पूरी तरह कट चुकी है।

सपा को हर घंटे उम्मीदवार बदलने पड़ रहे: पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा की स्थिति तो यह है कि यहां सपा को हर घंटे अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं, जबकि कांग्रेस की स्थिति तो और भी विचित्र है, कांग्रेस को तो उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे।

कांग्रेस को गढ़ में उतारने नहीं मिल रहे उम्मीदवार : पीएम ने कहा कि जिन सीटों को कांग्रेस अपना गढ़ मानती थी, वहां भी उसे उम्मीदवार उतारने की हिम्मत ही नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, इंडी गठबंधन अस्थिरता और अनिश्चितता का दूसरा नाम बन चुका है और इसलिए देश आज उनकी एक भी बात को गंभीरता से नहीं ले रहा है।

फ्लॉप फिल्म फिर से कर रहे रिलीज

राहुल गांधी और अखिलेश यादव का नाम लिये बिना पीएम मोदी ने कहा कि आपको याद होगा, यहां उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जो फिल्म पिछली बार फ्लॉप हो चुकी है, उन दोनों लड़कों की फिल्म को इन लोगों ने फिर से रिलीज किया है। मुझे समझ नहीं आता कि काठ की इस हांडी को ये इंडी गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे।

120 की रफ्तार में...

काम करना मुश्किल हो जाता है। ग्लूकोज का डिब्बा और नींबू शरबत लेकर ड्यूटी पर आते हैं। हर साल सारे जतन के बाद भी लू से तबीयत खराब हो ही जाती है। ट्रेन जब 110 से 120 की रफ्तार से दौड़ती है, उस समय गर्म हवा आग के तरह लगती है।

कांग्रेस ने घोटाले तो...

किया ही, आदमी का ईमान भी खा गए। वहीं श्री साय ने कहा कि भूपेश बघेल को इस तरह हराना है कि फिर राजनांदगांव की तरफ देखे भी नहीं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 56 इंच के सीने वाले हैं। आज दुश्मन के देश में घुसकर दुश्मनों को मार रहे हैं और देश के अंदर के दुश्मन भी बचने वाले नहीं हैं, क्योंकि देश के गृह मंत्री अमित शाह हैं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। श्री यादव ने कहा कि आज का भारत दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी दोस्त के साथ दोस्ती और दुश्मन के साथ दुश्मनी वाली नीति पर चलते हैं। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि अंग्रेज आए, मुगल, आए और न जाने कितने आक्रांता आए पर भगवा का बाल भी बांका नहीं हुआ। आज पांच सौ वर्षों बाद भगवान अयोध्या में मुस्कुरा रहे हैं यह फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया पर इसका पालन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने करवाया। कवर्धा में गौ सेवक की हत्या कर दी गई जिन्होंने भी ऐसा किया है उसको परिणाम भुगतना पड़ेगा। डॉ. यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव, मध्यप्रदेश में मोहन और राजस्थान में भजन हैं, यह सुखद संयोग है। अब विरोधी आखिर बचकर कहाँ जाएंगे। जहां विष्णु हैं, वहां विजय निश्चित है। सबका संतोष, सबको संतोष, राजनांदगांव में भी संतोष याने चारों तरफ संतोष ही है।

कांग्रेस में मची है भगदड़ : कांग्रेस में भगदड़ मची है, जिससे उनके नेता उलूल-जुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शांत स्वभाव के नेता चरणदास महंत भी प्रधानमंत्री पर कुछ भी अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं। ये सब कांग्रेस में हार की हताशा को बताता है। विष्णु देव साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 3 महीने 23 दिन उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों का 2 साल का बकाया बोनस दिया। पी एस सी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपा और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रुपए क्विंटल धान की कीमत दी। आप सभी से जीत का आशीर्वाद मांगने आया हूं। इस अवसर मुख्य रूप से उपमुख्यमंत्री अरुण साव उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा क्षेत्रीय, भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, साजा विधायक ईश्वर साहू जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक साहू पूर्व विधायक मोतीराम चंद्रवंशी संजय श्रीवास्तव अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

भूपेश को ऐसे हराना...

जिससे कि वो दोबारा राजनांदगांव की तरफ देख भी न सके। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार में मोदी की गारंटी का सारा काम सांय-सांय हो रहा है और चुनाव के बाद भी सांय-सांय करेंगे।

रूस के मिसाइल हमलों में यूक्रेन के आठ लोगों की मौत, 12 अन्य घायल

कीव। रूस की सेना द्वारा यूक्रेन पर शुक्रवार रात किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों के कारण खारकीव में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खारकीव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने बताया कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर पर रात में मिसाइल से किए गए हमलों के कारण आवासीय इमारतें, एक गैस स्टेशन, एक बालवाड़ी, एक कैफे, एक दुकान और कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने बताया कि इस हमले में छह लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हुए हैं। खारकीव के महापौर इहोर तेरेखोव ने बताया कि शनिवार दोपहर को शहर पर किए गए एक और हमले में एक और व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। ओडेसा के गवर्नर ओलेह किपर ने बताया कि एक अन्य मिसाइल हमले में दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में एक नागरिक की मौत हो गई। वायुसेना कमांडर के अनुसार, रूस ने रात भर में यूक्रेन पर कुल मिलाकर ईरान निर्मित 32 शाहिद ड्रोन और छह मिसाइलें दागीं।

अमित शाह ने कहा- कांग्रेस भारत के विचार को नहीं समझती, इसमें पार्टी की इटालियन संस्कृति का दोष

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जम्मू कश्मीर के बारे में की गई टिप्पणी पर निशाना साधा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस को नहीं पता है कि राजस्थान के कितने वीर बेटों ने कश्मीर में शांति और सुरक्षा के लिए अपने जीवन की कुर्बानी दी है। इसमें कांग्रेस नेताओं की गलती नहीं है। इसमें पार्टी की इटालियन संस्कृति का दोष है जो यह भारत की बातों को नहीं समझ पाती।

ऐसी टिप्पणियों से देशभक्तों को तकलीफ

अमित शाह ने कहा कि इस प्रकार की टिप्पणियों से देश के ऐसे सभी देशभक्तों को तकलीफ होती है जो देश की एकता और अखंडता की चिंता करते हैं। लोग इन्हें निश्चित जवाब देंगे। अमित शाह ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट किया कि यह सुनना काफी दुखद है कि कांग्रेस पार्टी पूछ रही है कि कश्मीर से क्या वास्ता है? मैं कांग्रेस पार्टी को याद दिलना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और ठीक कश्मीरियों की तरह ही देश के सभी राज्यों और नागरिकों का जम्मू कश्मीर पर हक है।

खड़गे ने जयपुर में रैली को संबोधित किया

इससे पहले शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान के जयपुर में रैली को संबोधित किया। इस दौरान खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजस्थान में कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के बारे में चर्चा करने पर सवाल उठाए। खड़गे ने कहा कि कल पीएम मोदी ने राजस्थान में एक रैली को संबोधित किया। इसी रैली में खड़गे ने कश्मीर को लेकर टिप्पणी कर दी। जिस पर अमित शाह ने जवाब दिया।

आठ सीट के लिए 299 उम्मीदवार, 26 अप्रैल को होगा मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र में 26 अप्रैल को दूसरे चरण में आठ लोकसभा सीट पर होने वाले चुनाव के लिए 299 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र जांच के बाद वैध पाए गए हैं। ये आठ सीट राज्य के विदर्भ क्षेत्र में बुलढाणा, अकोला, अमरावती, वर्धा, यवतमाल-वाशिम तथा मराठवाड़ा क्षेत्र में हिंगोली, नांदेड़ और परभणी हैं। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख आठ अप्रैल है।

झारखंड में वाहनों की जांच के दौरान 48 करोड़ जब्त

एजेंसी ▶▶| धनबाद

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने शनिवार को बताया कि चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से राज्य के चार जिलों - धनबाद, बोकारो, गिरिडीह और देवघर में वाहनों की जांच के दौरान लगभग 48 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं। उन्होंने इन जिलों में लोकसभा चुनाव की तैयारियों का आकलन करने के लिए धनबाद का दौरा किया और इस दौरान सुरक्षा, अपराध की रोकथाम और शराब की अवैध बिक्री सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। के. रवि कुमार ने कहा, ''आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से व्यापक स्तर पर वाहनों की जांच जारी है। इन अभियानों के दौरान केवल इन चार जिलों से लगभग 48 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई है।

दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आयुर्वेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घंटों तक लगाकर रखेंगे तो वह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप छूट जाए तो पुनः लगा दें।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर – Makeover – सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट – मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक – दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ – सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रोंकोस्कोपी, स्लीप स्टडी – स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद – गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर – मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल – कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर), कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) – सेन्ट्रल एवेन्यू, चौबे कालोनी, प्रगति कॉलेज, रायपुर (छ.ग.) – फोन: 0771-4044551 – समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक – मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ – मो. 9977247553

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)

डायबिटिक क्लीनिक – Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre – Diabetic Clinic – Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304 – 17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल – बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। – बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) – आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) – 7987225800, 9301744425

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर (राज्य और शहर के प्रसिद्ध 22 सालों से क्षेत्र में अनुभवी) – डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव

मोतियाबिंद – आयुष्मान कार्ड सुविधा – SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल – छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर – 9644099925

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

शब्द पहेली - 5474

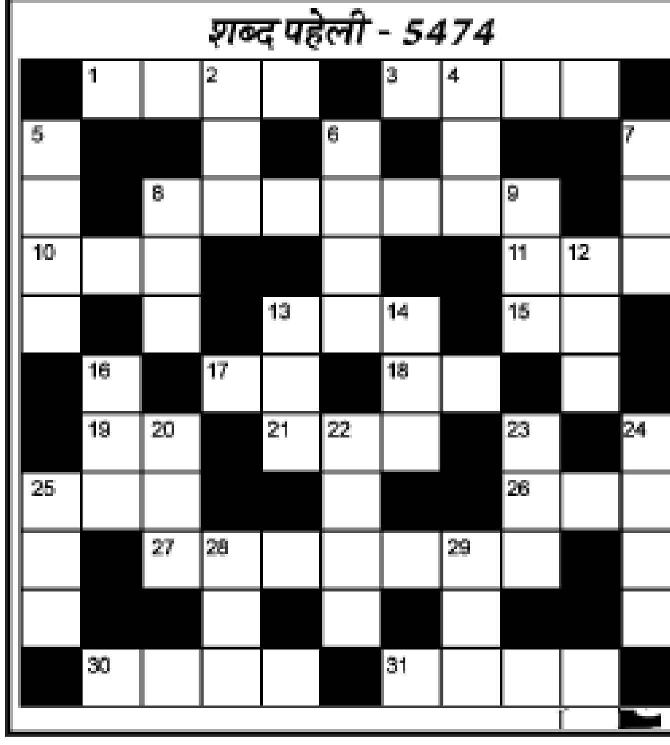

बाएं से दाएं
1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूंघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे
2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्जन, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 5473 का हल

सूडोकू बवाल - 5485

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 5484 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

पैसे निवेश करने के कई तरीके, बाजार में उतरने पहले एक बार कर लें रिसर्च

- म्यूचुअल फंड विविध विकल्प प्रदान करते हैं
- एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक व सुरक्षित
- रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प
- बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए एनपीएस भी बेहतर

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आजकल, बहुत से लोग पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों की तलाश करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग अपनी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने वाले सही निवेश साधन को चुनने में भ्रमित होते हैं। हालांकि, निवेश पैसा या निवेश का निर्णय लेना इतना आसान नहीं है, क्योंकि निवेशक सिर्फ एक साधन में कई उद्देश्यों की तलाश करते हैं। इसलिए एक सवाल उठता है- कहां निवेश करें? वैसे, पैसा निवेश करने के लिए विविध विकल्प हैं। रिपोर्ट में हम आपको कुछ विकल्पों के बारे में जानकारी देंगे जो आपकी निवेश जरूरतों को पूरा करने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

म्युचुअल फंड

म्यूचुअल फंड्स पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है। शब्द के अनुसार, एक म्युचुअल फंड धन का एक सामूहिक पूल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभूतियों की खरीद (फंड के माध्यम से) करना है। यह निवेशकों को एक मार्ग प्रदान करता है। पैसे बचाएं और समय के साथ रिटर्न कमाते हैं। म्यूचुअल फंड विविध निवेश विकल्प प्रदान करते हैं जैसे बांड, डेट, इक्विटीज, आदि ये निवेशकों को अलग खरीदारी और व्यापार करने की आवश्यकता के बिना भी निवेश का अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं। म्यूचुअल फंड में कई प्रकार से निवेश किया जा सकता है। पैसा निवेश करने की योजना बनाते समय उस पर विचार कर सकते हैं। इसमें निवेशक कम से कम राशि के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं। म्युचुअल फंड में 500 रुपये से भी निवेश की शुरूआत की जा सकती है। भारत में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियां हैं। जिन्हें संपत्ति प्रबंधन कंपनियां एएमसी कहा जाता है। ये म्यूचुअल फंड योजनाएं प्रदान करती हैं और इन कंपनियों द्वारा ही नियंत्रित किया जाता है।

सावधि जमा (एफडी)

सावधि जमा यानी एफडी पैसा निवेश करने के सबसे आम तरीकों में से एक है। हर बैंक इसकी सेवाएं प्रदान करता है। एफडी आपको आकर्षक रिटर्न की ओर ले जाती है। एफडी एक निश्चित परिपक्वता अवधि के साथ आती है। चूंकि इसकी परिपक्वता अवधि 15 दिनों से लेकर पांच वर्ष तक होती है, इसलिए इसे अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेश दोनों के लिए माना जा सकता है। इसमें निवेशक औसतन 7 से 9 फीसदी प्रति वर्ष की ब्याज दर से रिटर्न कमा सकते हैं। यदि आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं तो एफडी पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। इसमें रिटर्न भले ही कम हो लेकिन पैसा सुरक्षित रहता है।

रियल एस्टेट

सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है रियल एस्टेट रियल एस्टेट। मूल रूप से, अचल संपत्ति निवेश करती है और स्वामित्व, भूमि या संपत्ति (संपत्ति) की खरीद से संबंधित है। किसी भी प्रकार की संपत्ति में निवेश करने से पहले, पहले गहराई से विवरण प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, आपको संपत्ति/भूमि के स्थान पर विचार करना चाहिए, थोक संपत्तियों की तलाश करनी चाहिए आदि। इसमें निवेश करने के लिए एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन यह उच्च रिटर्न निवेश के साथ कम जोखिम वाला है। हालांकि, अगर आप पैसे निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक की तलाश कर रहे हैं तो रियल एस्टेट सोचने लायक है।

सोना

पैसा निवेश करने के लिए सोना हमेशा सबसे अच्छे तरीकों में से एक रहा है। यह सबका पसंदीदा निवेश माना जाता है। इसमें सालान औसत 7 से 12 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। इसके अलावा, भारतीयों का पारंपरिक रूप से सोन के के प्रति लगाव भी रहा है। लोगा सोने को हमेशा एक संपत्ति के रूप में देखते हैं, जो समय के साथ धन जमा करता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस)

बुढ़ापे में आर्थिक रूप से सुरक्षित रहने के लिए आप राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सबसे बेहतर निवेश विकल्पों में से एक मान जाता है। यह एक सेवानिवृत्ति बचत योजना है जहां नियोक्ता और कर्मचारी दोनों ही संपत्ति के निर्माण में योगदान करते हैं, जो सेवानिवृत्ति के समय संबंधित कर्मचारी पर बकाया है। एनपीएस भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है और इस योजना को पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हालांकि, एनपीएस को पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक माना जाता है, क्योंकि इसका टैक्स सेविंग निवेश। अगर निवेशक सालाना 1.5 लाख तक निवेश करते हैं तो वे टैक्स बचत कर सकते हैं। टैक्स कटौती की धारा 80सी के तहत इसमें टैक्स लाभ मिलता है। 18 से 60 वर्ष की आयु वर्ग का हर भारतीय नागरिक अस योजना में निवेश कर सकता है। अगर आपको अचानक नुकसान होने का डर है, या आप अपने परिवार के जीवन की रक्षा करना चाहते हैं, तो बीमा पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। बीमा आपको और आपके परिवार को आजीवन सुरक्षा प्रदान करता है। लोग जीवन में अनिश्चित समय के दौरान बीमा को रीढ़ की हड्डी के रूप में चुनते हैं।

बिटकॉइन, सोना, शेयर या बॉन्ड....किसमें करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- इस समय सभी एसेट्स ऑल-टाइम हाई के करीब कर रहे हैं ट्रेड
- निवेशक हो रहे कन्फयूज क्या करें, क्या न करें, क्या रहेगा बढ़िया
- सेंसेक्स और निफ्टी50 अपने उच्चतम स्तर के करीब पहुंचे
- ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स भी बेहतर
- सोना भी ऑल-टाइम हाई पर, पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी निवेश करें
- बिटकॉइन सबसे रिस्की, लेकिन दे रहा सबसे ज्यादा रिटर्न

इस समय शेयर बाजार, सोना, बिटकॉइन समेत सभी एसेट्स अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। बिटकॉइन ने पिछले सप्ताह नया रिकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में निवेश कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। बाजार में हमेशा रिस्क चलता रहता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले एक बार अपने लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देख लें तो बेहतर होगा।

निवेशकों में आजकल कनफ्यूजन की स्थिति है। इसकी वजह यह है कि निवेश के सभी विकल्पों में तेजी दिख रही है। घरेलू शेयर बाजार अपने ऑल-टाइम हाई के करीब ट्रेड कर रहे हैं। सोना भी अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। क्रिप्टो मार्केट में भी बहार आई हुई है। बिटकॉइन ने पिछले हफ्ते नया रेकॉर्ड बनाया था। ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बाद डेट फंड्स में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद दिख रही है। ऐसी स्थिति में इन्वेस्टर्स कनफ्यूज हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि अपना पैसा कहां निवेश करें। हालांकि कहा जाता है कि म्युचुअल फंड पैसा निवेश करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। लेकिन इस समय निवेश के सभी विकल्प गुलजार हैं। ऐसे में सभी ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहते हैं और निवेश के लिए तमाम जतन कर रहे हैं। इ रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि जब हर तरह का बाजार बुलंदी पर हो तो क्या करना चाहिया या निवेश का कौना सा तरीका बेस्ट हो सकता है।

डेट

मीडियम-टर्म गोल के लिए डेट बेस्ट एसेट क्लास है। ब्याज दरों में कटौती की संभावना से डेट फंड्स पर ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इंटरेस्ट रेट में कमी आती है तो बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसमें ज्यादा जोखिम भी नहीं रहती है। जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो का 40 परसेंट डेट में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह 40 फीसदी इक्विटी में और बाकी 20 फीसदी दूसरे एसेट क्लास में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। देश में इसका भाव 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है जो इसका नया रेकॉर्ड है। जानकारों की मानें को निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 15 से 20 फीसदी सोने में निवेश करना चाहिए। पिछले 20 साल में गोल्ड ने 11 फीसदी से अधिक सालाना रिटर्न दिया है जबकि इस दौरान चांदी की सालाना रफ्तार नौ फीसदी रही है। हाल के वर्षों में चांदी ने सोने से बेहतर रिटर्न दिया है।

इक्विटी

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने उच्चतम स्तर के करीब ट्रेड कर रहे हैं। जानकारों की मानें तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में सबसे ज्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए। इसमें भी एसआईपी सबसे बेहतर विकल्प है। निवेशक के पोर्टफोलियो में 20 परसेंट पैसिव लार्ज-कैप फंड, 50 परसेंट फ्लेक्सी-कैप फंड और 30 परसेंट मिड-कैप फंड होना चाहिए। इससे आपके पोर्टफोलियो का डाइवर्सिफिकेशन होगा और जोखिम में संतुलन रहेगा।

बिटकॉइन

क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में हाल के दिनों में भारी तेजी देखने को मिली है। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले हफ्ते ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। भारत में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसीज को रेगुलेट नहीं किया है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि क्रिप्टो में अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी से ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए। हालांकि हाल के वर्षों में बिटकॉइन ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

कितना कैश होना चाहिए

जानकारों का कहना है कि सारा पैसा निवेश करना सही नहीं है। आपात स्थिति के लिए आपके सेविंग अकाउंट में कम से कम छह महीने की जरूरत के लिए कैश होना चाहिए। शेयर मार्केट में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में गिरावट की आशंका है। निवेशक को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत है। आदर्श स्थिति देखें तो निवेशक को अपने पोर्टफोलियो का 50 फीसदी इक्विटी में, 20 परसेंट डेट में, 10 फीसदी गोल्ड में, 10 फीसदी कैश में, 5 फीसदी सिल्वर में और 5 फीसदी क्रिप्टो में निवेश करना चाहिए।

बिजनेस साइट

बालको मेडिकल सेंटर ने मनाया अपना छठवां स्थापना दिवस

रायपुर। बालको मेडिकल सेंटर की ओर से छठवीं स्थापना वर्षगांठ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नरगिस दत्त फाउंडेशन की अध्यक्ष और पूर्व संसद सदस्य प्रिया दत्त शामिल हुईं। प्रिया दत्त ने कहा कि बालको मेडिकल सेंटर में छत्तीसगढ़ ही नहीं मध्य भारत के अन्य हिस्सों के मरीजों को भी इलाज का लाभ मिल रहा है। कैंसर का जल्दी से जल्दी पता लगाने के लिए मैमोग्राफी मशीन से मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन के द्वारा आदिवासी क्षेत्र के अंदरुनी हिस्सों में स्क्रीनिंग शिविर लगाया जाता है, जिससे कैंसर के शुरुआती स्टेज पता चल जाता है। बालको मेडिकल सेंटर कैंसर के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा हैं। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में जाकर भर्ती मरीजों से भी बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान बालको मेडिकल सेंटर की वार्षिक रिपोर्ट का अनावरण भी किया गया। इस मौके पर वेदांत मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की अध्यक्ष ज्योति अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राजेश कुमार, डॉ. भावना सिरोही सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर नारायणा हेल्थ ने प्रस्तुत की 'इनसाइडर'

__रायपुर।__ विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर नारायणा हेल्थ रायपुर ने 'इंसाइडर' भारत की पहली मेडिकल डॉक्यूमेंट्री सीरीज का रेड कार्पेट इवेंट आयोजित किया। इसमें रायगढ़ के हार्डवेयर उपकरण दुकान के मालिक विकास अग्रवाल की कहानी शामिल है उनके साथ एक बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें उनकी हड्डियाँ भी टूट गई थीं और उनके कई अंगों को नुकसान पहुंचा था। उन्हें इमरजेंसी में लाया गया फिर उनका इलाज किया गया, जिसमें डॉ. अजय कुमार मिश्रा, डॉ. जे रॉय चौधरी, डॉ. पीके हरि कुमार और डॉ. प्रदीप शर्मा ने मिल के मरीज़ की जान बचाई। यह एक ऐसा शो है जो वास्तविक चिकित्सा आपात स्थितियों के बारे में बात करता है। यह दिखाता है कि आपातकाल के पहले महत्वपूर्ण घंटे में क्या होता है। किसी की जान बचाने के लिए यह हर घंटा महत्वपूर्ण है। यह शो वास्तविक रोगियों और उनके परिवारों और उनकी मदद करने वाले डॉक्टरों के बारे में कहानियां बताता है। 'इनसाइडर' को आप जियो सिनेमा, जियो टीवी, और टीवी प्लस पर देख सकते हैं। इसमें 10 एपिसोड हैं जो मरीजों और उनके परिवारों की कहानियों को अधिक व्यक्तिगत और वास्तविक बनाते हैं।

सुझाव कई स्कीमों ने 41 से 68% तक का सालाना रिटर्न दिया, एक साल में रिटर्न में स्मॉलकैप का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंडों से बेहतर

स्मॉलकैप फंड निवेशकों को बना रहे धनवान, लेकिन सावधानी रखें

औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा, निवेशकों ने करोड़ों रुपये कमाए

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

निवेश यानी बचत हर किसी को करनी चाहिए, क्योंकि इससे भविष्य आर्थिक रूप से मजबूत होता है। बचत बच्चों की पढ़ाई, शादियों और बुढ़ापे में काफी मददगार साबित होते हैं। इसलिए हर किसी को अपनी कमाई का कम से कम 10 फीसदी तो जरूर बचत करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि इस बचत को सावधानी के साथ यदि म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाए तो अच्छा खास फंड बनाया जा सकता है। इन दिनों स्मॉलकैप शेयर काफी चर्चा में हैं। बीते 1 साल के दौरान इन्होंने आउटपरफॉर्म किया है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में करीब 65 फीसदी रिटर्न दिया है, जबकि लार्जकैप का रिटर्न 25 फीसदी रहा है, इस दौरान कई स्मॉलकैप स्टॉक में 100 फीसदी या इससे ज्यादा तेजी आई है। फिलहाल स्मॉलकैप की इस तेजी का फायदा म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी मिला है। बीते फाइनेंशियल ईयर में स्मॉलकैप फंड रिटर्न देने के मामले में इक्विटी कैटेगरी में नंबर 1 साबित हुए हैं। देखने में आ रहा है कि स्मॉलकैप फंड निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय करें और पोर्टफोलियों में डायवर्सिटी रखें इससे आपको नुकसान नहीं होगा। बाजार के जानकारों का कहना कि किसी भी एसेट्स में निवेश से पहले सावधानी बरतें, यानी जिस फंड में निवेश करने जा रहे हैं उसे एक बार अच्छे से जांच परख लें।

एक साल में रिटर्न देने के मामले में स्मॉलकैप फंड का प्रदर्शन दूसरे इक्विटी फंड कैटेगरी से बेहतर रहा है। इनका औसतन रिटर्न 53 फीसदी रहा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इक्विटी कैटेगरी में 1 साल का औसत रिटर्न कितना रहा।

ऐसे समझें रिटर्न

- स्मॉलकैप फंड: 53 फीसदी
- मिडकैप फंड: 52.60 फीसदी
- लार्जकैप फंड: 41 फीसदी
- लार्ज एंड मिडकैप फंड: 44 फीसदी
- फ्लेक्सी कैप फंड: 39.67 फीसदी
- मल्टीकैप फंड: 45.62 फीसदी
- ईएलएसएस: 39.37 फीसदी
- वैल्यू ओरिएंटेड: 50 फीसदी
- (वित्त वर्ष 24: इन 30 इक्विटी स्कीम में 50 से 72% बढ़ा पैसा।)

टॉप परफॉर्म करने वाले म्यूचुअल फंड

- क्वांट स्मॉल कैप: 68%
- निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप: 57%
- इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप: 55%
- बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप: 51%
- एडलवाइस स्मॉल कैप: 50%
- एचएसबीसी स्मॉल कैप: 49%
- आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप: 43%
- एक्सिस स्मॉल कैप: 41%
- केनरा रोबेको स्मॉल कैप: 41%
- टाटा स्मॉल कैप: 41%

छोटी कंपनियों के शेयर क्यों चढ़े

जानकारों का कहना है कि मौजूदा वित्त वर्ष में सेंसेक्स की तुलना में छोटी कंपनी के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन भारतीय घरेलू बाजार की गतिशील प्रकृति और निवेशकों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों को दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, छोटी कंपनियों के शेयर आमतौर पर स्थानीय निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं, जबकि विदेशी निवेशक बड़ी कंपनियों के शेयर पर ध्यान केंद्रित करते हैं। निवेशकों के सेंटीमेंट में यह बदलाव भारत में मजबूत व्यापक आर्थिक स्थितियों से प्रेरित है। यह परंपरागत रूप से आर्थिक विस्तार की अवधि के दौरान छोटी कंपनियों के शेयरों में तेज ग्रोथ को बढ़ावा देता है।

क्या होते हैं स्मॉलकैप फंड

स्मॉलकैप फंड की बात करें तो ये मार्केट कैप के लिहाज से स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक और इक्विटी-रिलेटेड विकल्पों में निवेश करते हैं। सेबी के अनुसार, मिड कैप कंपनियां, मार्केट कैपिटलाइजेशन में 250 से 500 के बीच रैंक की जाती हैं। ये फंड आमतौर पर लार्ज-कैप और मिडकैप फंडों की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं, लेकिन उनकी तुलना में इसमें अस्थिरता ज्यादा होती है। बाजार में गिरावट आने पर स्मॉलकैप में गिरावट दूसरे सेगमेंट की तुलना में ज्यादा हो सकती है। उसी तरह तेजी आने पर ये लार्जकैप या मिडकैप की तुलना में ज्यादा रिटर्न भी देते हैं। फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह ली जाए तो ये रिस्क और रिटर्न का सही संयोजन हो सकते हैं।

स्मॉलकैप फंड में कौन करे निवेश

अगर बाजार का रिस्क लेने को तैयार हैं और आपके निवेश का लक्ष्य 7 साल से 10 साल का है तो स्मॉलकैप फंड हाईरिटर्न पाने के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। लंबी अवधि तक निवेश बनाए रहने से बाजार का जोखिम कम हो जाता है। इनका एवरेज रिटर्न बेहतर हो जाता है। ऐसे में अगर युवा हैं और रिस्क लेने को तैयार हैं, तो आप फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह लेकर इन स्कीम में निवेश कर सकते हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	4	4	0	8
कोलकाता	3	3	0	6
चेन्नई	4	2	2	4
लखनऊ	3	2	1	4
हैदराबाद	4	2	2	4
पंजाब	4	2	2	4
गुजरात	4	2	2	4
बेंगलोर	5	1	4	2
दिल्ली	4	1	3	2
मुंबई	3	0	3	0

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
316 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

यजुवेन्द्र चहल
08 विकेट
राजस्थान

बाउंड्री मीटर

541 चौके

339 छक्के

सूर्यकुमार की वापसी से मुंबई मजबूत, दिल्ली भी जीत के लिए बेकरार

नई दिल्ली ⏭ मुंबई

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए रविवार को जब यहां एक दूसरे का सामना करेंगे तो निगाहें सूर्यकुमार यादव पर टिकी रहेंगी जो चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुंबई ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। दिल्ली की स्थिति भी अच्छी नहीं है तथा चार मैच में एक जीत से वह 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। इस तरह से दोनों टीम पर वापसी करने का दबाव है।

तीन महीने से थे बाहर

सूर्यकुमार इस मैच में वापसी कर सकते हैं तथा आईपीएल के तुरंत बाद होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण पिछले तीन महीने से बाहर हैं। उन्होंने शुक्रवार को अभ्यास सत्र में भाग लिया और वह किसी भी तरह से असहज नहीं दिख रहे थे।

हर विभाग में खराब प्रदर्शन

मुंबई की टीम ने अभी तक हर विभाग में खराब प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा और ईशान किशन ने उसे अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन यह दोनों बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे हैं। तिलक वर्मा और नमन धीर पर भी यह बात लागू होती है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन करके टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहे हैं। उन्हें प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी है। जहां तक मुंबई के गेंदबाजी विभाग का सवाल है तो आकाश मधवाल को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाया है।

पंत को नहीं मिल रहा सहयोग

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने पिछले दो मैच में अर्धशतक जमाकर लय हासिल कर ली है लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल पा रहा है। पंत ने अभी तक चार मैच में 152 रन बनाए हैं। दिल्ली के गेंदबाजों ने पिछले मैच में बेहद खराब प्रदर्शन किया था। दिल्ली को डेविड वार्नर से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। उनके अलावा पृथ्वी भी वानखेड़े में अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

जीत की हैट्रिक पूरी करने उतरेगा लखनऊ : लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम रविवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर जीत की हैट्रिक लगाने की इरादे से मैदान पर उतरेगी। मयंक ने अपनी गति से अभी तक हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

आईपीएल : रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स को छह विकेट से हराया

राजस्थान की लगातार चौथी जीत, कोहली की सेंचुरी पर भारी पड़ा बटलर का शतक

नई दिल्ली ⏭ जयपुर

छक्के के साथ अपना शतक पूरा करके फॉर्म में लौटे जोस बटलर ने विराट कोहली के शतक को बेनूर कर दिया। राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को छह विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग की अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। रॉयल्स ने अब तक चार मैच खेले और चारों जीतकर शीर्ष पर है। वहीं आरसीबी लगातार तीसरी हार के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है।कोहली ने आईपीएल में रिकॉर्ड आठवां शतक जमाया लेकिन उनकी टीम तीन विकेट पर 183 रन ही बना सकी। राजस्थान ने 19.1 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 189 रन बनाते हुए टारगेट हासिल कर लिया।

अपना सौवां आईपीएल मैच खेल रहे बटलर ने यादगार पारी खेलकर आरसीबी के जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पिछली तीन पारियों में नाकाम रहे बटलर ने पांच गेंद बाकी रहते टीम को जीत दिलाई। उन्होंने आखिरी ओवर की पहली ही गेंद पर कैमरन ग्रीन को डीप स्क्वेयर लेग के ऊपर छक्का लगाकर टूर्नामेंट में अपना छठा शतक भी पूरा किया। अपनी 58 गेंद की पारी में उन्होंने नौ चौके और चार छक्के लगाए। कप्तान संजू सैमसन ने बटलर का बखूबी साथ निभाते हुए 148 रन की साझेदारी की। सैमसन ने 42 गेंद में 69 रन बनाए जिसमें आठ चौके और दो छक्के शामिल थे।

विराट 113 पर रहे नाबाद

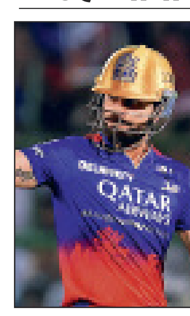

कोहली ने 72 गेंद में 113 रन बनाए और अब तक टूर्नामेंट में आरसीबी के कुल रनों का 38 प्रतिशत उन्हीं के बल्ले से निकला है। विराट ने अपनी पारी में 12 चौके और तीन छक्के जड़े। कप्तान फाफ डु प्लेसी (44 रन) को छोड़कर उन्हें दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल सका। कोहली ने 39 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और अगले 50 रन 28 गेंद में बनाए। उन्होंने 19वें ओवर में नांद्रे बर्गर की गेंद पर एक रन लेकर तिहरे अंक को छुआ। कोहली और डु प्लेसी ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की। दोनों ने पावरप्ले के भीतर 53 रन बनाए।

टी20 में शतक

शतक	खिलाड़ी
22	क्रिस गेल
11	बाबर आजम
9	विराट कोहली
8	एरॉन फिंच
8	माइकल क्लिंगर
8	डेविड वार्नर

आईपीएल में शतक

शतक	खिलाड़ी
8	विराट कोहली
6	क्रिस गेल
6	जोस बटलर
4	केएल राहुल
4	डेविड वॉर्नर
4	शेन वॉटसन

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर	रन	गेंद	4	6
विराट कोहली नाबाद	113	72	12	4
डु प्लेसी का बटलर बो चहल	44	33	2	2
ग्लेन मैक्सवेल बो बर्गर	01	03	0	0
सौरव का जायसवाल बो चहल	09	06	0	1
कैमरन ग्रीन नाबाद	05	06	0	0

अतिरिक्त : 11, कुल : 20 ओवर में 183/3
गेंदबाजी : बोल्ट 3-0-30-0, बर्गर 4-0-33-1, अश्विन 4-0-28-0, आवेश 4-0-46-0, चहल 4-0-34-2, पराग 1-0-10-0.

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का मैक्सवेल बो टॉपली	00	02	0	0
जोस बटलर नाबाद	100	58	9	4
सैमसन का दयाल बो सिराज	69	42	8	2
पराग का कोहली बो दयाल	04	04	1	0
जुरेल का कार्तिक बो टॉपली	02	03	0	0
शिमरोन हेटमायेर नाबाद	11	06	2	0

अतिरिक्त : 03, कुल : 19.1 ओवर में 189/4
गेंदबाजी : टॉपली 4-0-27-2, दयाल 4-0-37-1, सिराज 4-0-35-1, डागर 2-0-34-0, ग्रीन 1-0-27-0, शर्मा 2-0-29-0.

खबर संक्षेप

पेगुला चार्ल्सटन ओपन के अंतिम-4 में पहुंची

चार्ल्सटन। शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में चार मैच प्वाइंट बचाये और विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 3-6, 7-6 (7) से हराकर चार्ल्सटन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पेगुला फाइनल में जगह बनाने के लिए डारिया कसाटकिना से भिड़ेंगी जिन्होंने जैकलीन क्रिस्टियन को एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-7 (4), 6-2, 6-3 से पराजित किया। डेनियल कोलिन्स ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 6-4 से हराया।

सेंथिल जर्मन ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार को हैम्बर्ग में जर्मन ओपन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के इयान योव एनजी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। विश्व में 59वें नंबर के खिलाड़ी और 2023 के एशियाई रजत पदक विजेता सेंथिलकुमार इस 50000 डालर इनामी पीएसए विश्व टूर प्रतियोगिता में शुक्रवार को चौथी वरीयता प्राप्त मलेशियाई खिलाड़ी से 7-11 6-11 4-11 से हार कर बाहर हो गए। योव एनजी ने पीएसए वेबसाइट से कहा, ''यह हमेशा की तरह हमारे बीच करीबी मुकाबला रहा।

लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करे आरसीबी

बेंगलुरु। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने शनिवार को कहा कि मुश्किलों में घिरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अपना भाग्य पलटने के लिए मौजूदा आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करनी चाहिए। शनिवार को उसका सामना पांचवें मैच में जयपुर में राजस्थान रॉयल्स से होगा। गावस्कर ने यहां 'क्रिकेट टॉक शो - मिडविकेट स्टोरीज' में कहा, 'निश्चित रूप से टॉस आपके हाथ में नहीं है। लेकिन उन्हें हर संभव मौके का फायदा उठाना चाहिए, उन्हें लक्ष्य का पीछा करना चाहिए क्योंकि उनकी बल्लेबाजी मजबूत है। मुझे लगता है कि इससे उन्हें मैच जीतने का बेहतर मौका मिलेगा।'

खास खबर

भांबरी और ओलिवेटी सेमीफाइनल से बाहर

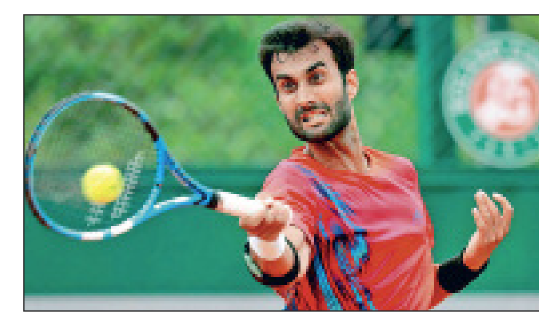

मराकेश। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी यहां एटीपी मराकेश ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और अलेक्जेंडर एर्लर की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से हार कर बाहर हो गए। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी को एटीपी 250 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 5-7, 6-3, 7-10 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। मीडलर और एर्लर की जोड़ी ने पहला सेट जीता लेकिन भांबरी और ओलिवेटी ने दूसरा सेट जीतकर शानदार वापसी की। सुपर टाइब्रेकर में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन आखिर में मीडलर और एर्लर जीत दर्ज करने में सफल रहे। भांबरी और ओलिवेटी ने इससे पहले तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस बैरिएंटोस और राफेल माटोस को हराकर पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

हॉकी के पूर्व खिलाड़ियों ने सीखे विशेष गुर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कोचिंग में एकरूपता और निरंतरता लाने के उद्देश्य से पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक नया कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर और गोलकीपर रुपिंदर पाल सिंह, वीआर रघुनाथ, एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार इस विशेष कोचिंग कार्यक्रम का आयोजन हाई परफार्मेंस निदेशक हरमन क्रूज की देखरेख में बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण में किया गया। योगिता बाली, हेलेन मैरी, दीपिका मूर्ति, आकाश चिकटे, पीटी राव, पूर्व ड्रैग फ्लिकर गुरजिंदर सिंह और जसप्रीत कौर ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मोंटे कार्लो : नागल ने 63वीं रैंकिंग पर काबिज कोबोली को दी मात

नई दिल्ली ⏭ मोंटे कार्लो

भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में जीत से शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां क्वालीफायर में दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी इटली के फ्लेवियो कोबोली को सीधे सेटों में शिकस्त दी। गैर वरीय और 95वीं रैंकिंग पर काबिज भारतीय ने आठवीं वरीयता प्राप्त कोबोली पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। नागल अब अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में अर्जेंटीना के दो खिलाड़ियों फाकुंडो डियाज अकोस्टा और डिएगो श्वार्टजमैन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। अकोस्टा 55वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हैं जिन्हें तीसरी वरीयता मिली है जबकि श्वार्टजमैन 124वीं रैंकिंग पर है और वाइल्ड कार्ड धारी हैं। सात क्वालीफायर को मुख्य दौर में प्रवेश मिलेगा। भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन (शीर्ष वरीय) की दुनिया की नंबर एक जोड़ी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी।

गुजराती ने नाकामुरा को और गुकेश ने प्रगानानंदा को हराया

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अमेरिका के हिकारू नाकामुरा की सभी रणनीतियों को नाकाम करते हुए जीत हासिल की जबकि आर प्रगानानंदा को हमवतन डी गुकेश से हार झेलनी पड़ी। पहले दौर में चार ड्रा के बाद शनिवार को दूसरे दौर की सभी चार बाजियों में नतीजे निकले। शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने अजरबेजान के निजात अबासोव को मात दी और रूस के इयान नेपोमनियाच्ची ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की झोंग्यी टैन से हार मिली जबकि रूस की एलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को पराजित किया। कोनेरू हम्पी ने रूस की कैटरीना लैग्नो से बाजी ड्रा कराई और नुरग्यूल सालिमोवा ने चीन की टिन्जी लेई से अंक बांटे।

भारत को मिली हार, ऑस्ट्रेलिया ने 5-1 से जीता मैच

नई दिल्ली ⏭ पर्थ

भारतीय पुरुष हॉकी टीम से उम्मीद की जा रही थी कि वह ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देगी लेकिन शनिवार को यहां पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में ऐसा कुछ नहीं देखने को मिला और मेहमान टीम को 1-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होने से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टॉम विकम (20वें, 38वें मिनट) ने दो गोल, जबकि टिम ब्रांड (तीसरे), जोएल रिंटाला (37वें) और फ्लिन ओगिलवी (57वें) ने एक-एक गोल किया। भारत के लिए एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने 47वें मिनट में किया। इन दोनों टीम के बीच रविवार को दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

अनुपमा और थारुन ने जीता अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब

नई दिल्ली ⏭ अस्ताना

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अनुपमा उपाध्याय और थारुन मन्नेपल्ली ने शनिवार को उरालस्क में कजाखस्तान अंतरराष्ट्रीय चैलेंज टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपने नाम किए। अल्मोड़ा की 19 साल की अनुपमा ने पिछले महीने पोलिश अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में जीत हासिल की थी। उन्होंने फाइनल में 41 मिनट में हमवतन इशारानी बरुआ पर 21-15, 21-16 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरा खिताब हासिल किया।

वहीं पिछले साल दिसंबर में गुवाहाटी में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उपविजेता रहे 22 वर्षीय थारुन ने आठवें वरीय मलेशिया के सूंग जू वेन को 21-10, 21-19 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता। मिश्रित युगल के फाइनल में भारत के संजय श्रीवत्स धनराज और मनीषा के की जोड़ी को मलेशिया के वोंग

टीएन सी और लिम चिव सिएन की जोड़ी से 21-9, 7-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। अनुपमा ने 2021 में इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज, पोलिश ओपन (2022 और 2024) और 2023 में ताजिकिस्तान इंटरनेशनल सीरीज जीती है।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

खतरे में नेताजी का विकेट

छत्तीसगढ़ बनने के बाद एक बड़े नेता दिल्ली में जरूर ट्रेप हो गए थे मगर छत्तीसगढ़ में ऐसा कभी नहीं हुआ। मगर एक नेताजी ऐसे घनचक्कर में फंस गए हैं कि उनकी रात की नींद उड़ गई है। खबर ये है कि 250 करोड़ की सप्लाई में गड़बड़झाला को जिन लोगों ने लीक किया, वे ही लोग नेताजी को भी ट्रेप कर लिए। दरअसल, सप्लाई करने वाला नेताजी को सेट करने गया था कि भाई साब, देख लीजिए...हल्ला न हो और पेमेंट भी जारी हो जाए। मगर जिस बड़े सप्लायर ने इस स्कैम को लीक कराया, उसी ने नेताजी को फंसवा भी डाला...होटल के कमरे में उसी के लोगों ने पहले से कैमरे लगा दिए थे। अब सब कुछ ऑन कैमरा है, तो फिर क्या होगा? यह सवाल उसी तरह का है कि शेर सामने आ जाए तो...? जो करेगा शेर करेगा...अब देखना है लोकसभा चुनाव के बाद क्या होता है।

कैबिनेट मंत्री

जब छत्तीसगढ़ नहीं बना था, तब केंद्र की राजनीति में छत्तीसगढ़ का दबदबा होता था। विद्याचरण शुक्ल 23 साल के उम्र में केंद्र में कैबिनेट मंत्री बन गए थे। हालांकि, उनसे अलावे पुरूषोतम कौशिक और बृजलाल वर्मा भी थोड़े दिनों के लिए केंद्र में कैबिनेट मंत्री रहे। मगर नाम कमाया विद्या भैया ने। ये कहने में कोई हर्ज नहीं कि विद्या भैया के नाम से छत्तीसगढ़ और रायपुर की देश में पहचान बनी। विद्या भैया ने छत्तीसगढ़ को दिया भी बहुत कुछ...कोलकाता से पहले रायपुर में दूरदर्शन केंद्र खुल गया था। रायपुर को काफी पहले हवाई नक्शे से जोड़ने का श्रेय भी उन्हें ही दिया जाता है। 1994 तक नरसिम्हा राव मंत्रिमंडल में विद्याचरण पावरफुल मंत्री रहे। लेकिन, नरसिम्हा राव सरकार के पतन के बाद छत्तीसगढ़ का केंद्रीय मंत्री का कोटा ही खतम हो गया। वो ऐसे कि नरसिम्हा राव सरकार के बाद कांग्रेस सत्ता से 10 साल बाहर रही। एचडी देवेगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल की सरकार में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधितव जीरो रहा। 1998 से 2004 तक अटलजी की सरकार में अलग-अलग समय में छत्तीसगढ़ से तीन राज्य मंत्री बनाए गए। रमन सिंह, दिलीप सिंह जूदेव और रमेश बैस। मनमोहन सिंह की दूसरी पारी के आखिरी दिनों में चरणदास महंत को केंद्रीय राज्य मंत्री बनने का मौका मिल पाया। 10 साल बाद 2004 में लौटी बीजेपी की सरकार ने विष्णुदेव साय और उनके बाद रेणुका सिंह को राज्य मंत्री बनाया। मगर केंद्र में राज्य मंत्री सिर्फ सहयोगी के तौर पर होते हैं। कह सकते हैं संख्या बल के लिए। जिम्मेदारी और जलवा पूरा कैबिनेट मंत्रियों का रहता है।

सरोज पाण्डेय को मौका?

अब तीन दशक बाद इस बार छत्तीसगढ़ से केंद्रीय मंत्री बनने का योग दिख रहा है। कोरबा से अगर सरोज पाण्डेय जीत गई तो केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनने की पूरी संभावना है। क्योंकि, सियासत में महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ रही है। बीजेपी में राष्ट्रीय स्तर पर निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री हैं मगर वे मास लीडर नहीं हैं। सुषमा स्वराज के जाने के बाद दिल्ली में सिर्फ स्मृति ईरानी बच गई हैं। ऐसे में, सरोज पाण्डेय का चांस बन सकता है। सरोज चूकि सांसद रह चुकी हैं, विधायक और मेयर भी। महाराष्ट्र की पार्टी प्रभारी समेत राष्ट्रीय स्तर पर कई अहम दायित्व संभाल चुकी हैं। जाहिर है, उन्हें राज्य मंत्री तो नहीं ही बनाया जाएगा।

यादवों का बड़ा नेता

कांग्रेस पार्टी ने भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव को बिलासपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। बताते हैं, देवेंद्र यादव को बिहार के नेता चंदन यादव का साथ मिला और राहुल गांधी के साथ पदयात्रा में साथ देने का ईनाम। मगर पैराशूट प्रत्याशी होने का नुकसान उन्हें यह हो रहा कि बिलासपुर में कांग्रेस नेताओं का साथ नहीं मिल रहा है। बिलासपुर के कांग्रेसी इसलिए खफा हैं कि कांग्रेस का गढ़ रहा बिलासपुर में पार्टी को लोकसभा चुनाव लड़ाने के लिए अदद एक प्रत्याशी नहीं दिखा। चलिये रिजल्ट क्या होगा यह देवेंद्र यादव को भी पता है और कांग्रेस के लोगों को भी। फायदा देवेंद्र को यह होगा कि वे छत्तीसगढ़ में यादवों के अब स्थापित नेता हो जाएंगे। और जांच एजेंसियां के निशाने पर आने से दो-एक महीने की उन्हें मोहलत मिल गई है।

5 निर्दलीय उम्मीदवार

ये बहुत कम लोगों का मालूम होगा कि बस्तर देश की पहली संसदीय सीट है, जहां के वोटरों ने पांच बार निर्दलीय को चुनाव जीता कर दिल्ली भेजा है। यहीं नहीं, 1952 के प्रथम लोकसभा चुनाव में मुचकी कोसा ने देश के सर्वाधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज किया था। मुचकी ने एक लाख 41 हजार मतों से कांग्रेस उम्मीवार को पराजित किया था।

ऐसे भी कलेक्टर

लोकसभा चुनाव के आचार संहिता के दौरान कुछ कलेक्टरों ने तहसीलदारों का ट्रांसफर कर दिया। इसको लेकर सीईओ रीना बाबा कंगाले बेहद नाराज हुई। उन्होंने न केवल नोटिस थमाई बल्कि दो-एक कलेक्टरों को फोन पर फटकारा भी। बताते हैं, एक कलेक्टर का मासूमियत भरा जवाब सुन आयोग के अफसर भी सन्न रह गए। कलेक्टर ने कहा, मैं देखता हूं आचार संहिता में तहसीलदारों का ट्रांसफर कैसे हुआ और किसने किया? किसी कलेक्टर के लिए वाकई ये बड़ा शर्मनाक है कि उसे पता नहीं कि नाक के नीचे तहसीलदारों को बदल दिया गया और उसे पता ही नहीं चला। ऐसे कलेक्टरों के जिले में क्या हो रहा होगा, भगवान मालिक हैं।

शिकायत कलेक्टरों की

ये भी कुछ अटपटा सा लग रहा कि बीजेपी की सरकार में बीजेपी नेता कलेक्टरों के खिलाफ शिकायत कर रहे हैं। निर्वाचन आयोग में रायपुर के आसपास के चार-पांच जिलों के साथ ही एक माईनिंग डिस्ट्रिक्ट के कलेक्टर की गंभीर शिकायतें बीजेपी नेताओं ने की है। एक जिले में कांग्रेस के पोस्टर, बैनर हटाने को लेकर इतना रायता फैला कि चुनाव आयोग के अफसरों को देर रात तक जागकर उसे हैंडिल करना पड़ा। बीजेपी नेताओं नें इसकी शिकायत उच्च स्तर पर कर दी, इससे खलबली मच गई। बताते हैं, आचार संहिता नहीं होता तो कलेक्टर की छुट्टी हो गई होती। अब अगर अच्छे मार्जिन से बीजेपी प्रत्याशी की जीत वहां नहीं मिली तो लोकसभा चुनाव के बाद पहले आदेश में कलेक्टर का विकेट उड़ना तय है।

चुनावी ड्यूटी और आईएएस

आईएएस अफसर सबसे अधिक इलेक्शन आब्जर्बर बनने से घबराते हैं। अधिकांश अफसरों की कोशिश होती है कि किसी तरह बच निकला जाए। यही वजह है कि हर बार दो-चार, पांच के नाम कट जाते हैं। मगर इस बार अभी तक दो ही अफसरों के नाम कटे हैं। एक तंबोली अय्यजा फकीरभाई और दूसरा सुधाकर खलको। तंबोली सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली चले गए हैं और सुधाकर खलको का एंजिया प्लास्टि हुआ है। इसलिए, सुधाकर के संबंध में चुनाव आयोग ने रिस्क लेना मुनासिब नहीं समझा। बाकी इस बार सिकरेट्री रैंक के अफसर अविनाश चंपावत भी चुनावी ड्यूटी में फंस गए। दरअसल, उनका नाम केंद्र सरकार से गया था। फरवरी तक वे दिल्ली में पोस्टेड थे। यहां ज्वाईन करने के बाद जीएडी ने लिस्ट से नाम हटाने आयोग को पत्र भेजा मगर उस पर सुनवाई नहीं हुई। हालांकि, पहली बार डायरेक्टर एग्रीकल्चर की भी चुनाव में ड्यूटी लग गई है। एग्रीकल्चर डायरेक्टर की पोस्टिंग के चलते जीएडी ने सारांश मित्तर का नाम हटाने आयोग को लेटर भेजा था, मगर आयोग राजी नहीं हुआ।

राजनांदगांव सिरदर्द

राजनांदगांव संसदीय सीट सिर्फ कांग्रेस और बीजेपी के लिए चुनौती नहीं है, चुनाव आयोग के लिए भी सिरदर्द हो गया है। नामंकन दाखिल करने के आखिरी दिन 240 नामंकन फार्म लेने की खबर ने रायपुर सीईओ आफिस से लेकर भारत निर्वाचन आयोग तक को बेचैन कर दिया। इतनी बड़ी संख्या में कोई एक आदमी नामंकन दाखिल नहीं कर सकता। इसके पीछे कोई बड़ा हाथ होगा। आयोग के पास यह फीडबैक पहुंचा था कि कोई महिला विधायक सारे नामंकन भरवा रही है। इस पर तय यह हुआ कि विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाए। क्योंकि, कोई लोगों को गोलबंद करके नामंकन नहीं भरवा सकता। मगर शाम होते तक वो हो नहीं पाया जिसकी बड़ी चर्चा थी। राजनांदगांव में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के हेट स्पीच को लेकर भी आयोग ने सीईओ आफिस से रिपोर्ट मांगी और फिर कार्रवाई का आदेश दिया। सीईओ आफिस को उसे भी तामिल कराना पड़ा। जाहिर है, राजनांदगांव को लेकर आयोग को काफी मगजमारी करनी पड़ रही है।

अंत में दो सवाल आपसे

1. ऐसा क्यों कहा जा रहा कि लोकसभा चुनाव के बाद मंत्रिमंडल के पुनर्गठन में तीन विधायकों को मंत्री बनने का अवसर मिलेगा?
2. क्या ये सही है कि आपसी सिर फुटौव्वल के चलते चार महीने पहले तक सरकार में रही कांग्रेस पार्टी की छत्तीसगढ़ में दुर्दशा हो रही है?

72 सीटर विमान 68 को लेकर नहीं उड़ सका, 10 यात्रियों को उतारा नीचे, हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शनिवार को बिलासा एयरपोर्ट पर उस समय हंमागा मचना शुरू हो गया जब 72 सीटर अलायंस एयर की फ्लाइट 68 लोगों के साथ उड़ान भरने में फिसड्डी साबित हो गया। कैप्टन ने जैसे ही 10 यात्रियों से यात्रा कैंसल करने की बात कही, यात्रियों का गुस्सा फट पड़ा और एयरपोर्ट पर करीब 2 घंटे तक बहस, मानमनौव्वल चलता रहा। यात्रियों ने एयरलाइन्स कंपनी की अव्यवस्था पर जमकर भड़ास निकाली और उसे खटारा सर्विस का तमगा दे दिया। इस दौरान एयरपोर्ट प्रबंधन और फ्लाइट के कैप्टन के रवैये से यात्री खास तौर पर नाराज नजर आए।

भले ही लोगों की मांग पर दिल्ली और कोलकाता की फ्लाइट शुरू कर दी गई है, लेकिन एएआई और एयरलाइन्स कंपनी यात्रियों को सुविधा नहीं दे पा रही है। शनिवार को 11.10 को दिल्ली से फ्लाइट बिलासपुर पहुंची, जिसमें पहले से ही 33 यात्री मौजूद रहे, वहीं बिलासपुर की बोर्डिंग को मिलकार कुल 68 यात्रियों को 11.40 को लेकर दिल्ली फ्लाइट टैकऑफ करने वाली थी, लेकिन कैप्टन ने फ्लाइट में तकनीकी समस्या बताते हुए 10 यात्रियों को ले जाने में असमर्थता जाहिर की, जिसके बाद एयरपोर्ट पर हंगामा मचना शुरू हो गया, सभी यात्री अपनी यात्रा को लेकर फ्रिक करते रहे, वहीं एयरलाइन्स कंपनी का विमान 10 लोगों को नीचे उतार कर ही टेकऑफ कर सका। इस दौरान यात्रियों का गुस्सा एयरपोर्ट और एयरलाइन्स कंपनी को सहना पड़ा। 10 यात्रियों ने फ्लाइट की टिकट राशि और रायपुर तक की फ्लाइट की सुविधा मांगी, लेकिन अलायंस एयर ने राशि और वाया प्रयागराज फ्लाइट की सुविधा देने से साफ तौर पर इनकार कर दिया, ऐसे में यात्रियों ने जमकर भड़ास निकली और एयरलाइन्स कंपनी को खटारा फ्लाइट का परिचालन करने पर जमकर खरीखोटी सुनाई।

दिल्ली की शाम की फ्लाइट नहीं पहुंची

बताया जा रहा है कि बिलासपुर-दिल्ली की फ्लाइट 11.40 मिनट पर टेकऑफ करना था, लेकिन हंगामे के बीच करीब 58 यात्रियों को लेकर फ्लाइट 1.55 मिनट पर बिलासपुर से टेकऑफ हुई, ऐसे में शाम 4 बजे वापस आने वाली फ्लाइट रद्द कर दी गई, जिससे दिल्ली के 18 यात्री बिलासपुर नहीं पहुंच सके। शहर के पार्षद दुर्गा सोनी भी इस फ्लाइट में मौजूद रहे, उन्होंने बताया कि अलायंस एयर की मनमानी और अव्यवहारिक तरीके से यात्री खासे परेशान हुए।

सेफ्टी मैनेजर की लापरवाही उजागर

एयरपोर्ट डायरेक्टर एनबी सिंह इन दिनों छुट्टी पर चल रहे हैं, उनका प्रभार सेफ्टी मैनेजर राजेन्द्र विश्वकर्मा के पास है, कुछ यात्रियों ने उनसे यात्रा के दौरान हो रही परेशानी, एयरपोर्ट में बदइंतजामी और प्रबंधन के रवैये को लेकर शिकायत की, लेकिन उन्होंने यात्रियों को ही उलटा जवाब दे दिया। बताया जा रहा है कि सेफ्टी मैनेजर पीडब्ल्यूडी द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य में भी जबरिया परेशानी खड़ा करने का काम कर रहे है, ऐसे में निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है।

गैंगस्टर तपन के वाहन की रेकी चार युवकों को पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

गैंगस्टर तपन सरकार को सेंट्रल जेल दुर्ग से जगदलपुर जेल में शिफ्ट करने के दौरान उसकी रेकी की जा रही थी। पुलिस की नजर पड़ी तो इन युवकों को धर दबोचा। पकड़े युवक गैंगस्टर तपन के रिश्तेदार निकले। सेंट्रल जेल दुर्ग में एसपी की टीम की दबिश के बाद गैंगस्टर तपन सरकार को न्यायालय से जगदलपुर जेल में शफ्टि करने का आदेश जारी हुआ था। उसके बाद पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के साथ तपन को वाहन में सड़क मार्ग से जगदलपुर ले जाया जा रहा था। इस दौरान जेल वाहन का पीछा चार पहिया वाहन में सवार चार व्यक्ति कर रहे थे। चारों आरोपियों को कुछ समय के लिए

कांकेर थाने में रोका गया और दुर्ग की क्राईम टीम को चारों को पुलिस ने सौंपा। दुर्ग जेल से सेंट्रल जेल जगदलपुर ट्रांसफर करने के दौरान तपन सरकार जिस वाहन में था। उस वाहन का एक काले रंग का पश्चिम बंगाल पासिंग नंबर वाहन पीछा कर रहा था। जेल वाहन में शामिल कर्मियों को शंका हुआ। इसकी जानकारी पुलिस के अफसरों को घटना की जानकारी दी। अफसरों के नर्दिश पर कांकेर थाना के पास जेल वाहन रूका और पीछा कर रहे वाहन को भी पुलिस ने रोका।

28 साल तक जन्मतिथि सुधारने लड़ता रहा एसईसीएल कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

28 साल तक चले न्यायिक संघर्ष के बाद एसईसीएल कर्मचारी को इन्साफ मिला है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईस्कूल बोर्ड में अंकित वास्तविक जन्मतिथि के अनुसार सारे लाभ देने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के दावे को उचित मानते हुए एसईसीएल प्रबंधन को याचिकाकर्ता की जन्मतिथि हाईस्कूल के अनुसार दर्ज करने का निर्देश दिया है। इसके अनुसार ही हाईकोर्ट ने समस्त लाभ भी देने का आदेश अपने निर्णय में दिया है।

दरअसल इस कर्मचारी की जन्मतिथि विभाग ने दस्तावेजों में 10 साल पीछे दर्ज कर दी थी। याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता परमारथ की नियुक्ति सन 1983 में चिरमिरी कोल माइंस में बतौर इलेक्ट्रिशियन हुई थी। इनकी जन्मतिथि विभागीय दस्तावेजों में गलत डाल दी गई थी। 1995 में पे स्लिप के जरिए इन्हें यह जानकारी हुई कि यह वास्तविक तिथि एक जनवरी 1965 की बजाय 21 अक्टूबर 1955 और 21 जुलाई 1955 दर्ज की गई है। इस तरह दो गलत तारीखें अलग – अलग दस्तावेजों में दर्ज होती रहीं। जानकारी मिलने के बाद याचिकाकर्ता ने लगातार ऑफिस में अपना अभ्यावेदन देते हुए इसे सुधारने की मांग रखी।

धरती से कब खत्म हो जाएगा इंसानों का अस्तित्व? वैज्ञानिकों ने कंप्यूटर के इस्तेमाल से की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। एक समय था जब धरती पर इंसान नहीं हुआ करते थे, बल्कि पेड़-पौधे, नदियां, पहाड़ और तरह-तरह के जानवर ही थे। फिर इंसान अस्तित्व में आए और उसके बाद तो धरती का नक्शा ही बदल गया। धीरे-धीरे इंसानों की आबादी बढ़ती गई और दुनिया के कोने-कोने में इंसानों का राज हो गया और अब तो इंसानों ने इतनी तरक्की कर ली है कि पृथ्वी से बाहर यानी अंतरिक्ष की भी सैर करने लगे हैं। आज पूरी दुनिया में कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस कंप्यूटर की मदद से भविष्यवाणी भी की जा सकती है? जी हां, वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है। आजकल हम जो भी करते हैं, उसमें टेक्नोलॉजी सबसे आगे है और यह हमें भविष्य में जीवन को लेकर और अधिक समझने में मदद कर सकती है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से लेकर मशीनों पर हमारी अत्यधिक निर्भरता तक।

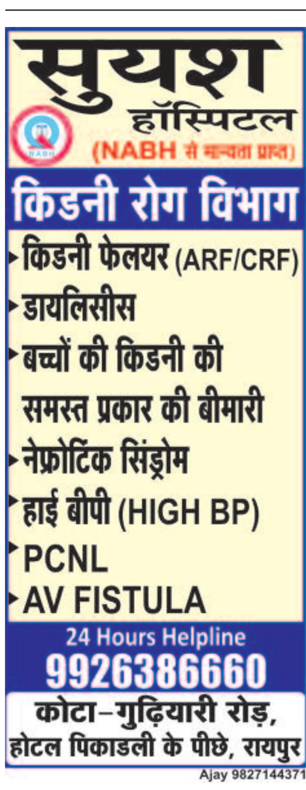

PREMIER OILSKIM SYSTEMS PVT. LTD.
PUNE MAHARASHTRA.
We manufacture Tube/Belt type oil skimmer for steel plant.
E-mail - amit.oilskimmer@oilskimmer.in
9422005688/ 8999251977

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com